दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

निशानेबाजी में छत्तीसगढ़ की महिलाओं का....

बच्चों को बार-बार दे रहे हैं एंटीबायोटिक दवाएं तो..

वर्ष : 12 | अंक : 210 | लखनऊ, 24 जुलाई, शुक्रवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

उभरते क्रिकेटर को हनीट्रैप में फंसाया

मुंबई। महाराष्ट्र के उभरते हुए क्रिकेटर साइबर अपराधियों के हनीट्रैप जाल का शिकार हो गए हैं।

बीसीसीआई की एक राष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए यह खिलाड़ी बेंगलूरू गए हुए थे। 5 सितारा होटल में ठहरने के दौरान एक महिला ने उन्हें वॉट्सएप वीडियो कॉल पर लिया और आपत्तिजनक हालत में उनका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

आवारा कुत्ते मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) से कहा कि वे सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने के संबंध में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करने के लिए उठाए गए कदमों पर एक विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करें। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और न्यायमूर्ति रजनीश कुमार गुप्ता की पीठ ने यह आदेश उच्चतम न्यायालय के 19 मई के निर्देशों के बाद उच्च न्यायालय द्वारा शुरू किए गए स्वतः संज्ञान मामले में दिया।

पवन खेड़ा असम पुलिस के सामने पेश हुए

गुवाहाटी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा बृहस्पतिवार को असम पुलिस की अपराध शाखा के सामने पेश हुए। यह मामला मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी की ओर से दर्ज कराया गया था। खेड़ा ने प्रेसवार्ता में आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और देश के बाहर संपत्ति है। इसके बाद खेड़ा के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था।

सिक्किम सुरंग हादसा 25 शव बरामद किए

गंगटोक/सिलीगुड़ी। सिक्किम के नामची जिले में हुए सुरंग हादसे में मारे गए 25 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। हालांकि, अभी तक सिर्फ 11 मृतकों की पहचान हुई है, बाकी की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। रेस्क्यू टीमों ने सुरंग में हुए हादसे के बाद फंसे बाकी मजदूरों को ढूंढने के लिए लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया। यह सुरंग निर्माणाधीन तीस्ता स्टेज-6 हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट का हिस्सा है। अत्यंत प्रतिकूल और खतरनाक परिस्थितियों के बावजूद सुरंग के अंदर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

मानसून सत्र के चौथे दिन भी नहीं थमा सदन में गतिरोध

नीट प्रश्नपत्र लीक केस में विपक्ष धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़ा

लोकसभा दो बार और राज्यसभा तीन बार स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण बृहस्पतिवार को भी संसद के दोनों सदनों में गतिरोध कायम रहा और लोकसभा जहां दो बार के वहीं राज्यसभा तीन बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। सरकार ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में चर्चा के लिए पूर्व शर्त लगाकर इससे भाग रहा है। उसने कहा कि सरकार तत्काल चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष को बिना देरी के चर्चा शुरू करनी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि विपक्ष से हाथ जोड़कर अनुरोध है कि वह चर्चा में भाग ले। लोकसभा की बैठक शुरू होते ही विपक्षी सदस्य नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर सोमवार को राजधानी में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई सहित विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनसे प्रश्नकाल चलने देने की अपील करते हुए आश्वासन दिया कि प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद वह सदस्यों को उनकी बात रखने का अवसर देंगे। लेकिन सदन में हंगामा जारी रहा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष से प्रश्नकाल चलने देने की अपील

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू की अपील

विपक्ष से हाथ जोड़कर अनुरोध चर्चा में भाग लें

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि विपक्ष से हाथ जोड़कर अनुरोध है कि चर्चा में भाग लें। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सदस्य नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में चर्चा से पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग पर अड़े हैं। आज सदन की बैठक शुरू होते ही विपक्षी सदस्य नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर सोमवार को राजधानी में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई सहित विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनसे प्रश्नकाल चलने देने की अपील करते हुए आश्वासन दिया कि प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद वह सदस्यों को उनकी बात रखने का अवसर देंगे। सदन में हंगामा थमते न देख बिरला ने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे बोले

मोदी का बयान उकसाने वाला

राज्यसभा में बृहस्पतिवार को नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रश्नपत्र लीक मामले में प्रधानमंत्री मोदी के दिए गए बयान को "उकसाने वाला" करार दिया और कहा कि जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो जाता, विपक्ष संसद में इस विषय पर चर्चा में भाग नहीं लेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर आज दिये गये बयान में कहा कि देश के युवाओं का कल्याण और हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा उनके भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र लीक के मामलों में शामिल लोगों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए सरकार ने त्वरित अदालतें स्थापित करने का फैसला किया है।

शाह ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला से मुलाकात की

नई दिल्ली (भाषा)। नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर संसद में गतिरोध के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित होने के बाद शाह ने बिरला से मुलाकात की। इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की थी। तृणमूल कांग्रेस नेता सौगत रॉय, महुआ मोइत्रा आदि भी इस बैठक में उपस्थित थे। बिरला ने आज प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी नेताओं से कहा था कि वह नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर चर्चा की तारीख और अवधि तय करने के लिए उनसे मिलें।

लोस में सरकार का जवाबः पेट्रोल में 20 फीसदी से अधिक एथेनॉल मिश्रण पर फिलहाल फैसला नहीं

केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को फिलहाल 20% (ई20) से आगे बढ़ाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। लोकसभा में पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि भविष्य में ऐसा कोई भी फैसला व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन और ऑटोमोबाइल निर्माताओं से सलाह के बाद ही होगा। सरकार के अनुसार, देश में 5 करोड़ से अधिक वाहन ई20 ईंधन पर चल रहे हैं। वाहन निर्माताओं के सर्विस रिकॉर्ड्स में एथेनॉल की वजह से इंजन खराबी या घिसाव का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

नीट प्रश्नपत्र लीकः देश भर में प्रदर्शन हो रहे

उद्धव-राज छात्रों के समर्थन में मुंबई में मोर्चा निकालेंगे

अमन लेखनी समाचार/ मुंबई,

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कथित ज्यादतियों और नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर छात्रों एवं उनके अभिभावकों की 'गहरी चिंता' को व्यक्त करने के लिए 26 जुलाई को मुंबई में मोर्चा निकालेंगे।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक को लेकर देश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं। उद्धव ने संवाददता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार निष्ठुर हो गई है लेकिन छात्र अब किसी से डरने वाले नहीं हैं।

> सरकार निष्ठुर हो गई है, छात्र अब किसी से भी डरने वाले नहीं

उन्होंने कहा कि क्या प्रधानमंत्री उन पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी लेंगे जिन्होंने छात्रों से मारपीट की और महिला प्रदर्शनकारियों के कपड़े फाड़े? लोग वर्षों से दबे अपने आक्रोश को जाहिर करना चाहते हैं और हम उन्हें उसके लिए एक मंच उपलब्ध करा रहे हैं।'

ईपीएफओ अधिकारी को घुस लेते सीबीआई ने दबोचा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सीबीआई ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के एक प्रवर्तन अधिकारी को 2.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अधिकारी की पहचान शुभम त्यागी, प्रवर्तन अधिकारी, ईपीएफओ जिला कार्यालय, पटियाला (पंजाब) के रूप में हुई है। इसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ईपीएफ सलाहकार (कंसल्टेंट) के मुवक्किल के खिलाफ कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध उपबंध अधिनियम, 1952 की धारा 7ए के तहत जांच चल रही थी। जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करा दिए थे। आरोपी ने शिकायतकर्ता को फोन कर 21 जुलाई को चंडीगढ़ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में बुलाया। यहां हुई मुलाकात के दौरान उसने जांच को कम से कम आकलन और न्यूनतम जुर्माने के साथ बंद कराने के एवज में 4 लाख की रिश्वत की मांग की। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने 22 जुलाई को जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान आरोपी अधिकारी को शिकायतकर्ता से 2.5 लाख रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद शुभम त्यागी को गुरुवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

> आरोपी ने शिकायतकर्ता को फोन कर चंडीगढ़ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में बुलाया था

चित्रकूट के जंगल में नीट की छात्रा से तीन ने किया गैंगरेप

अमन लेखनी समाचार/ चित्रकूट

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में देवांगना घाटी में घूमने आई नीट की 20 वर्षीय छात्रा के साथ तीन युवकों ने गैंगरेप किया। दरिंदों ने खुद को वनकर्मी बताकर पहले छात्रा के 17 साल के बॉयफ्रेंड को बेल्ट से पीटा और उसे बंधक बना लिया।

इसके बाद वे छात्रा को झाड़ियों में घसीट ले गए और गैंगरेप को अंजाम दिया। वारदात के 24 घंटे बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। मध्य प्रदेश के सतना की रहने वाली यह छात्रा राजस्थान के कोटा में रहकर नीट की तैयारी करती है। बुधवार दोपहर वह चित्रकूट के रहने वाले अपने बॉयफ्रेंड (जो 12वीं का छात्र है) के साथ देवांगना घाटी में घूमने गए थे। दोनों पहाड़ी पर बैठे थे, तभी बाइक सवार तीन लड़के वहां आ धमकाने लगे और अपने को वन विभाग का कर्मचारी बताते हुए उन्हें ब्लैकमेल करने लगे।

पैसे नहीं देने पर किया रेप

जब दोनों ने पैसे देने से मना कर दिया तो आरोपियों ने उनसे मारपीट करना शुरू कर दिया। छात्रा के साथ बैड टच करने लगे। नाबालिग लड़के को हाथ बांधकर एक आरोपी लड़के के पास बैठा रहा। दो लड़की को झाड़ियों के अंदर ले जाकर उसके साथ बारी-बारी से दोनों लड़कों ने गैंगरेप किया। बॉयफ्रेंड ने पुलिस को बताया कि विरोध करने पर और आरोपियों पीड़ित युवती की पिटाई की. पीड़ित लड़का जब आरोपियों के चुंगल से छूटा तो उसने 112 पर पुलिस को फोन कर सूचना दी।

दिल्ली में स्कूटर की बैटरी फटने से तीन भाई घायल

नई दिल्ली। दिल्ली के अशोक विहार इलाके में बृहस्पतिवार सुबह एक झुग्गी के अंदर चार्ज हो रही इलेक्ट्रिक स्कूटर की बैटरी में कथित तौर पर विस्फोट होने से तीन भाई झुलस गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब सात बजे उत्तर पश्चिम दिल्ली के एसएस नगर इलाके में हुई। अधिकारियों ने बताया कि जब बैटरी में विस्फोट हुआ और इस कारण आग लगी, उस वक्त 45-वर्षीय विजय झुग्गी में सो रहा था। घटना के समय परिवार के बाकी सदस्य झुग्गी के बाहर थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने और बचाव की कोशिशों के दौरान विजय और उनके भाई अजय (35) एवं बिरजू (23) झुलस गए। पीड़ितों को पहले दीपचंद बंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें लोक नायक अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि उनका इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है। हालांकि, विजय और बिरजू ज्यादा बुरी तरह झुलस गए हैं।

> ■ यह घटना सुबह करीब सात बजे हुई, दो की हालत गंभीर

तृणमूल सांसद को अंतरिम राहत नहीं

अभिषेक की याचिका सुनने से हाई कोर्ट ने किया इनकार

कोलकाता। तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक बार फिर झटका लगा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुनवाई नहीं की। उन्हें एक मामले में संरक्षण मिला था। बाद में, डायमंड हार्बर से तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी ने संरक्षण की मांग करते हुए फिर उच्च न्यायालय का रुख किया। हालांकि, इस बार उन्हें संरक्षण नहीं मिला। न्यायमूर्ति सौगता भट्टाचार्य ने आदेश दिया कि अभिषेक बनर्जी पर दर्ज विभिन्न एफआईआर पर फिलहाल कोई संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

आठ एफआईआर दर्ज

राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर अभिषेक बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। अदालत ने पूछा था कि सांसद के खिलाफ कितनी एफआईआर दर्ज की गई हैं? फिर, गुरुवार को सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार ने न्यायाधीश को बताया कि कुल आठ एफआईआर हैं। अभिषेक के वकील कपिल सिबल ने इन मामलों के लिए अलग-अलग सुरक्षा की मांग की।

अंडे फेंके जाने से मुझे संरक्षण चाहिए : मोइत्रा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने अपने ऊपर कथित तौर पर अंडे फेंके जाने की घटनाओं को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट से सुरक्षा की मांग की है। उनकी याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 29 को तय की है। महुआ की ओर से पेश अधिवक्ता ने अदालत में कहा कि सांसद जहां भी जा रही हैं, वहां उन्हें निशाना बनाकर अंडे फेंके जा रहे हैं। उन्होंने पुलिस को सुरक्षा देने और ऐसी घटनाओं को रोकने का निर्देश देने की मांग की।

हैदराबाद में ड्राइवर ने एयरपोर्ट जाते समय रास्ता बदला

महिला कर्मी से कंपनी की ऑफिशियल कैब में रेप

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में 37 साल की महिला के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोप के मुताबिक ड्यूटी पर जा रही प्राइवेट एयरलाइन की महिला केबिन क्रू मेंबर के साथ उसकी ऑफिशियल कैब के ड्राइवर ने रास्ते में दुष्कर्म किया। एक अंग्रेजी अखबार की खबर के मुताबिक, महिला राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट जा रही थी। पुलिस ने 23 साल के आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के तुरंत बाद पीड़िता राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुलिस आउटपोस्ट पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं (जैसे दुष्कर्म और हमले की धाराओं) के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी।

> ■ पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार किया

इंडिगो ने कहा- हम जांच में सहयोग कर रहे

इंडिगो ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि वो इस मामले से वाकिफ है और समझती है कि वर्तमान में संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा इसकी जांच की जा रही है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, 'हम अधिकारियों का पूरा सहयोग कर रहे हैं और आवश्यकतानुसार उनका समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

आरोपी प्रशांत गिरफ्तार, जेल भेजा

पुलिस की विशेष टीम ने अगले ही दिन, यानी 21 जुलाई को आरोपी को ट्रैक कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के निवासी एर्रापोगु प्रशांत कुमार के रूप में हुई है। आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया है। स्थानीय कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

कैब सर्विस ट्रैवल एजेंसी दे रही थी

जांच में सामने आया है कि संबंधित कैब सर्विस का संचालन स्थानीय ट्रांसपोर्ट एजेंसी कर रही थी। एयरलाइन ने उसे अपने कर्मियों को एयरपोर्ट लाने और ले जाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया था।

वैष्णव ने कहा- स्वदेशी एआई के विकास को लगेंगे पंख

सर्वम और भारतजेन जैसे 20 बड़े मॉडलों को दे रहे मदद

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 'इंडिया-एआई मिशन' के तहत मदद देने के लिए सरकार ने 20 स्वदेशी एआई मॉडल को चुना है। इनमें 12 बड़े लैंग्वेज मॉडल और 8 छोटे लैंग्वेज मॉडल शामिल हैं। इस मिशन का मकसद युवाओं के लिए नए अवसर और नौकरियां पैदा करना है, एआई से जुड़े खतरों को भी कंट्रोल करना है। सरकार भारतीय स्टार्टअप्स और संस्थानों को मदद कर रही है। सरकार जिन प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट कर रही है, वे एआई के अलग-अलग इस्तेमाल से जुड़े हैं। इनमें सर्वम, जी नैनी, भारज जेन और अवचार एआई जैसे नाम शामिल हैं। हेल्थकेयर, स्थानीय भाषा तकनीकों और ऑटोमेटेड के लिए मॉडल्स तैयार किए जा रहे हैं।

इनकी खासियतें

- सर्वम ने हाल में काफी चर्चा बटोरी है। सर्वम की तारीफ पीएम मोदी ने भी की थी।
- जीनैनी भारत के लिए स्पीच-टू-स्पीच (आवाज से आवाज में बात करने वाला) मॉडल तैयार कर रहा है।
- भारत जेनकई भारतीय भाषाओं को समझने वाले फाउंडेशन मॉडल बना रहा है।
- अवतार देश के लिए वीडियो जनरेट करने वाला एआई मॉडल बना रहा है।

सरकार जिनका सहयोग कर रही वे अलग-अलग

सरकार कर रही एआई की मदद

वैष्णव ने बताया कि भारत की एआई रणनीति देश के 300 अरब डॉलर के आईटी सेक्टर पर टिकी है, जिसमें करीब 60 लाख लोग काम करते हैं। इंडिया-एआई मिशन के 7 मुख्य पिलर हैं। जैसे- एआई मॉडल बनाना, ऐप्स तैयार करना, डेटासेट जुटाना, टैलेंट तराशना और सस्ता कंप्यूटर इंफ्रास्ट्रक्चर देना। सरकार ने 15 कंप्यूट सर्विस प्रोवाइडर्स को साथ जोड़ा है। साथ ही 237 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है।

686 छात्रों को फेलोशिप दी

सरकार के अनुसार उसने देश में एआई से जुड़े टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए 178 बड़े कॉलेजों व संस्थानों के 686 छात्रों को फेलोशिप दी है। 'युवा एआई फॉर ऑल' प्रोग्राम के तहत 26 लाख से अधिक लोग ट्रेनिंग पूरी कर चुके हैं। देश में 27 'इंडिया डेटा एंड एआई लैब्स' चालू हुई हैं।

बरसाती पानी की छींटे पड़ने से दो पक्षों में मारपीट,रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बुधवार को बाइक के सामने अचानक ऑटो रोक देने और उसके पहिए से बरसाती पानी की छींटे पड़ने से हुए विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई।इस मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सरोजनीनगर के मक्का खेड़ा, गहरु निवासी विकास यादव के मुताबिक उसका भाई अजय यादव 22 जुलाई की सुबह बाइक से बिजनौर जा रहा था।तभी रास्ते में सवारी बैठाने के लिए एक रिक्शा चालक ने अचानक बाइक के सामने रिक्शा रोक दिया। आरोप है कि विरोध करने पर रिक्शा चालक ने अपने साथियों अरुण, विशाल और शिवम के साथ मिलकर अजय पर डंडे, रॉड और रिंच से हमला कर दिया। आरोप है कि बाद में सूचना पाकर बीच बचाव करने पहुंचे अजय के भाई अभिषेक और संस्कार को भी आरोपियों ने पीट दिया। जिससे तीनों घायल हो गए।वहीं बिजनौर के नटकुर निवासी शिवम पुत्र मुकेश के मुताबिक वह बुधवार सुबह करीब 10:30 बजे ऑटो से गौरी की ओर जा रहा था।तभी सरोजनीनगर स्थित स्कूटर इंडिया चौराहे के पास ऑटो से उछले बरसाती पानी की छींटे अमन यादव पर पड़ गईं। आरोप है कि अमन ने गाली-गलौज करते हुए अपने तीन साथियों को बुला लिया। बाद में चारों ने शिवम को मारा पीटा और जान से मारने की धमकी दी। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस दोनों पक्षों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

चंद्रशेखर आजाद का त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति सदैव देती रहेगी नई पीढ़ी को प्रेरणा - केशव प्रसाद मौर्य

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर अद्वितीय पराक्रम, अदम्य साहस और अटूट राष्ट्रभक्ति के प्रतीक महान क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति-चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उन्हें सादर नमन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का त्याग, अदम्य साहस, राष्ट्रप्रेम और मातृभूमि की स्वतंत्रता के प्रति उनका अटूट समर्पण भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण को देश की आजादी के लिए समर्पित कर राष्ट्रभक्ति का ऐसा आदर्श प्रस्तुत किया, जो सदैव आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा। श्री मौर्य ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का प्रेरणादायी जीवन प्रत्येक भारतीय को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा देश की एकता, अखंडता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देता है।उनका अद्वितीय बलिदान और संघर्ष भारत की युवा पीढ़ी के लिए ऊर्जा, साहस और राष्ट्रसेवा का अनंत स्रोत है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र ऐसे महान क्रांतिकारियों का सदैव ऋणी रहेगा, जिनके त्याग, बलिदान और अदम्य संकल्प के कारण भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त की। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें तथा एक सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करें।

प्रतिभा के साथ न्याय और परिश्रम का सम्मान ही नए भारत की पहचान - केशव प्रसाद मौर्य

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छात्रों के हितों की रक्षा तथा उनके उज्ज्वल भविष्य को सुरक्षित रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन इसी संकल्प को और अधिक सशक्त बनाने वाला महत्वपूर्ण निर्णय है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था पेपर लीक माफियाओं के विरुद्ध प्रभावी प्रहार सिद्ध होगी। इससे ऐसे अपराधों में संलिप्त दोषियों को शीघ्र एवं कठोर दंड सुनिश्चित किया जा सकेगा, जिससे परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी कीमत पर युवाओं के सपनों और उनके भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शने वाली नहीं है। श्री मौर्य ने कहा कि प्रतिभा के साथ न्याय, परिश्रम का सम्मान तथा युवाओं के भविष्य की सुरक्षा ही नए भारत की पहचान है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक प्रतियोगी परीक्षा पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न हो तथा मेहनत करने वाले युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप अवसर प्राप्त हों। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं के हितों की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता के साथ कार्य कर रही है और पेपर लीक जैसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कानून पूरी कठोरता से अपना कार्य करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि फास्ट ट्रैक कोर्ट्स की व्यवस्था से ऐसे मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित होगा तथा युवाओं का परीक्षा व्यवस्था पर विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

बीबीडी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा 'शिक्षण कौशल' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बीबीडी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षकों के लिए शिक्षण कौशल विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

यह कार्यशाला बीबीडीयू की चांसलर श्रीमती अलका दास गुप्ता एवं प्रो चांसलर विराज सागर दास के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

साथ ही, बीबीडी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. के. श्रीवास्तव तथा प्रो-वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) एस. सी. शर्मा का विशेष निर्देशन एवं सहयोग भी प्राप्त हुआ।

कार्यशाला की मुख्य वक्ता डॉ. निष्ठा शुक्ला, प्राचार्य, आर.के.जी. एजुकेशनल कॉलेज, लखनऊ रहीं। उन्होंने प्रभावी शिक्षण कौशल, कक्षा प्रबंधन, संप्रेषण कौशल, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया तथा शिक्षक एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की विभिन्न प्रविधियों एवं आयामों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, नवाचारों तथा विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण दृष्टिकोण को अपनाने पर विशेष बल देते हुए प्रतिभागियों को एक प्रभावी एवं प्रेरणादायी शिक्षक बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला के दौरान प्रो. (डॉ.) शिवानी भटनागर, मिस नेहा शुक्ला असिस्टेंट प्रोफसर, डॉ. मुदित कुमार वर्मा असिस्टेंट प्रोफसर, और डॉ. मावरा शोएब, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ एजुकेशन ने विभिन्न शिक्षण कौशलों एवं शिक्षण तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया तथा प्रतिभागियों से इन कौशलों का अभ्यास भी करवाया, जिससे कार्यशाला अधिक सहभागितापूर्ण एवं उपयोगी बनी।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रभावी शिक्षण कौशल का विकास करना, शिक्षण प्रक्रिया को अधिक रोचक एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाना तथा शिक्षकों को व्यावहारिक शिक्षण तकनीकों एवं नवाचारपूर्ण शिक्षण विधियों से परिचित कराना था।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षकों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा शिक्षण-अधिगम से संबंधित अनेक विषयों पर अपने प्रश्न प्रस्तुत किए, जिनका डॉ. निष्ठा शुक्ला ने स्पष्टता के साथ उत्तर दिया। यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए शिक्षण कौशल में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु एक प्रभावी एवं प्रेरणादायी मंच सिद्ध हुई।

इस कार्यशाला का सफल आयोजन स्कूल ऑफ एजुकेशन की विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) कनक द्विवेदी के निर्देशन एवं समन्वय में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर प्रो. (डॉ.) कनक द्विवेदी ने मुख्य वक्ता डॉ. निष्ठा शुक्ला, सभी संकाय सदस्यों, शोधार्थियों तथा विभिन्न संकायों से उपस्थित सभी शिक्षक-प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

यह कार्यशाला बीबीडी विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षकों के लिए प्रभावी शिक्षण कौशल विकसित करने, व्यावहारिक शिक्षण तकनीकों को समझने तथा एक कुशल, नवाचारी एवं विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षक बनने की दिशा में अत्यंत उपयोगी, प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक रहा।

गोरखपुर को मिली 1753 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 दिनों के भीतर दूसरी बार गोरखपुर पहुंचकर जिले को कुल 1753 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। 11 जुलाई को 758 करोड़ रुपये और गुरुवार को 995 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। दोनों दौरों में सड़क संपर्क और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने वाली परियोजनाओं पर विशेष जोर रहा।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को 429.49 करोड़ रुपये की लागत से बने गोरखपुर के पहले सिक्सलेन फ्लाईओवर का लोकार्पण किया। इसके साथ ही 278 करोड़ रुपये की लागत से तैयार पैडलेगंज चौक से फिराक गोरखपुरी चौक तक फोरलेन सड़क का भी उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं से शहर के साथ-साथ आसपास के जिलों और नेपाल तक की आवाजाही अधिक सुगम होने की उम्मीद है। टीपी नगर-पैडलेगंज मार्ग पर निर्मित 2.6 किलोमीटर लंबे सिक्सलेन फ्लाईओवर से संतकबीरनगर, बस्ती, अयोध्या, लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, आजमगढ़, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज और नेपाल की ओर जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं पैडलेगंज से फिराक गोरखपुरी चौक तक फोरलेन सड़क बनने से शहर के भीतर यातायात का दबाव कम होगा। मुख्यमंत्री ने नंदानगर पुलिस चौकी-शमशेर गेट मार्ग पर अंडरपास और सर्विस रोड निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। इससे पहले 11 जुलाई को मुख्यमंत्री ने करीब 690 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 11.60 किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क सहित कुल 758 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया था। इन परियोजनाओं में भी सड़क संपर्क को मजबूत करने वाले कार्य प्रमुख रहे। मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तीकरण और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने कामकाजी महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावास के निर्माण का शिलान्यास किया तथा राजकीय महिला पॉलिटेक्निक में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। इस केंद्र में उभरती तकनीकों से जुड़े आधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी।

फांसी के फंदे से लटकता मिला युवक

अमन लेखनी समाचार

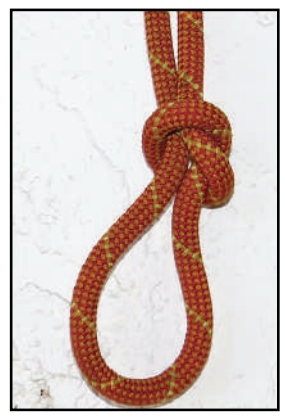

सरोजनीनगर, लखनऊ।बिजनौर थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम एक युवक ने संदिग्ध हालत में घर के अंदर फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान गवां दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक बिजनौर के शिव गुलाम खेड़ा निवासी मजदूर कल्लू लोधी की पत्नी सुखरानी पिछले कई वर्षों से अपने बेटे शिवा (20) को लेकर कल्लू से अलग गांव में ही दूसरे मकान में रहती है। शिवा अपनी मां सुखरानी के साथ रहकर एक टेंट हाउस में मजदूरी करता था। गुरुवार को सुखरानी खेत में धान की रोपाई करने गई थी। जबकि शिवा घर पर अकेले था। शाम करीब 6 बजे जब सुखरानी वापस घर लौटी तो घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। इस पर उन्होंने कई बार आवाज दी, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। जिसके बाद सुखरानी ने आसपास के लोगों को बुलाया। तब पड़ोसियों ने भी कई बार आवाज दी, पर कोई जवाब न मिला। इसके बाद लोग कमरे की दीवार तोड़कर अंदर घुसे तो शिवा कमरे के अंदर रस्सी के सहारे पंखे के हुक से मृत लटका मिला। यह देखकर सुखरानी चीखने चिल्लाने लगी। बाद में घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उसने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

देहरादून में नकली दवा फैक्ट्री का भंडाफोड़

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ/देहरादून। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) उत्तर प्रदेश ने क्राइम ब्रांच गाजियाबाद और एफएसडीए उत्तराखंड के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए देहरादून में अवैध रूप से संचालित नकली दवा निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान करीब एक करोड़ रुपये मूल्य की नकली दवाएं, पैकिंग सामग्री और मशीनरी जब्त की गई, जबकि दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

एफएसडीए मुख्यालय से गठित विशेष टीम में औषधि निरीक्षक आशुतोष मिश्रा, गौरव लोधी और नीलेश शर्मा शामिल थे। जांच में सामने आया कि यह गिरोह उत्तराखंड में नकली दवाओं का निर्माण कर उन्हें उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में सप्लाई कर रहा था। अधिकारियों के अनुसार, 19 जुलाई को लखनऊ के अमीनाबाद थाना क्षेत्र में नकली दवाओं के भंडारण एवं बिक्री के मामले में दर्ज एफआईआर की जांच के दौरान इस अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा हुआ। इसके बाद गाजियाबाद से गिरोह के मुख्य वितरक राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा को गिरफ्तार किया गया। उसके मोबाइल की जांच में व्हाट्सएप चैट, नकली दवाओं की पैकिंग के फोटो तथा मशीनरी से जुड़े डिजिटल साक्ष्य मिले, जिनके आधार पर देहरादून स्थित फैक्ट्री का पता चला। संयुक्त टीम ने देहरादून के देवीपुर न्यू हाईवे रोड स्थित परिसर में छापा मारकर भारी मात्रा में नकली दवाएं, सेमी-फिनिश उत्पाद, एल्युमिनियम फॉयल, पैकिंग रैपर, मास्टर कार्टन तथा अत्याधुनिक पैकिंग मशीनें बरामद कीं। मौके से क्लैवेक्टम 625, राजो डी सहित कई नामी कंपनियों की दवाओं की नकली पैकिंग सामग्री भी मिली। जांच में यह भी सामने आया कि बिना वैध लाइसेंस के बड़े पैमाने पर नकली दवाओं का निर्माण किया जा रहा था। इस मामले में गौरव त्यागी, राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा, विपिन भटनागर और विनय चंद सहित आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)-2023 की विभिन्न धाराओं तथा संगठित अपराध संबंधी प्रावधानों के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा और विनय चंद को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। एफएसडीए उत्तराखंड ने मौके से औषधियों के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए हैं तथा शेष नकली दवाओं, मशीनों और पैकिंग सामग्री को सील कर दिया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश में नकली दवाओं के कारोबार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई गई है। नकली दवाओं के निर्माण, भंडारण और बिक्री से जुड़े पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा।

भाजपा सरकार किसी की बात नहीं सुन रही : अखिलेश यादव

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा अहंकार में सरकार चला रही है। भाजपा सरकार नहीं अहंकार है। भाजपा सरकार किसी की बात नहीं सुन रहीं है। लोकतंत्र में सरकार की जिम्मेदारी होती है कि लोगों की बात सुने और जाने कि लोग क्या चाहते है? उन्होंने कहा कि सरकार अगर अन्याय करेगी, दबाव बनायेगी तो दबाव नहीं चलने वाला है। गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि नीट परीक्षा लीक सरकार की गलती है, इसीलिए परीक्षा दोबारा हुई। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों, नौजवानों की मांग स्वीकार करे। जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देंगे, तब तक हम लोग सदन में आवाज उठाते रहेंगे। नीट परीक्षा लीक के बाद जिन बच्चों की जान गयी है, सरकार उन परिवारों की मांगों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया हैं, भाजपा सरकार में लगातार पेपर लीक हो रहे हैं।

राज्यपाल को अजय राय ने लिखा पत्र

- जौहर विवि के भवनों के नियमितीकरण किये जाने के लिए लिखा पत्र

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को पत्र लिखकर कहा है कि रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के अधिकांश भवनों को ध्वस्त किए जाने संबंधी समाचारों ने प्रदेश के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं शिक्षा जगत में व्यापक चिंता उत्पन्न की है। प्रदेश की संवैधानिक मुखिया एवं प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति होने के नाते आपके संवेदनशील हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता है।

उन्होंने पत्र में लिखा है कि शिक्षा और जनकल्याण के उद्देश्य से स्थापित विश्वविद्यालय किसी सरकार, राजनीतिक दल अथवा व्यक्ति की संपत्ति नहीं होते। वे राष्ट्र की बौद्धिक पूंजी समाज की साझा धरोहर और आने वाली पीढ़ियों की अमानत होते हैं। सरकारें बदलती है लेकिन शिक्षा संस्थानों की गरिमा, निरंतरता और उपयोगिता नहीं बदलनी चाहिए।

उन्होने पत्र में लिखा है कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की अगुआई में निर्मित भारत का संविधान अनुच्छेद 30(1) के माध्यम से अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना एवं प्रशासन का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। यह अधिकार राज्य से यह अपेक्षा रखता है कि किसी भी कथित दंडात्मक कार्रवाई की स्थिति में भी संविधान की भावना, प्राकृतिक न्याय, सार्वजनिक हित और अनुपातिकता के सिद्धांतों का पूर्ण पालन हो। ऐसे में जौहर विश्वविद्यालय के अनेक भवनों के व्यापक ध्वस्तीकरण का निर्णय न्याय और प्रशासन दोनों की दृष्टि से गलत है। उन्होंने कहा है कि मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय वर्ष 2013 से विधिवत संचालित हो रहा है और इतने वर्षों में हजारों विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करता रहा है। रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा किसी प्रकार के भवन विस्तार संबंधी आपत्ति को विधिक प्रक्रिया और प्राधिकरण के मान्य नियमों के अंतर्गत दूर किया जा सकता था।

हर जरूरतमंद के साथ मजबूती से खड़े दिखे डॉ. राजेश्वर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सरोजनीनगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने गुरुवार को विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर अस्वस्थ कार्यकताओं, शोकाकुल परिवारों और जरूरतमंद नागरिकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आर्थिक सहायता, बेहतर उपचार और बच्चों की शिक्षा का दायित्व उठाते हुए जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अर्जुनगंज के सरसवां में कैंसर से पीड़ित पूर्व मंडल अध्यक्ष राजकुमार रोहित से भेंट कर विधायक ने उनके उपचार में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही उनके दोनों बच्चों की एक वर्ष की शिक्षा-शुल्क वहन करने और पुत्री के डॉक्टर बनने के सपने को पूरा करने में सहयोग देने की घोषणा की।

अर्जुनगंज क्षेत्र में ही आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई छोड़ चुकी छात्रा रिद्धिमा गौतम के बारे में जानकारी मिलने पर डॉ. सिंह ने दो दिन के भीतर उसका पुनः विद्यालय में प्रवेश कराने और शिक्षा-शुल्क की व्यवस्था कराने का भरोसा दिया। उन्होंने अस्वस्थ भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अपर्णा भारती से मुलाकात कर बेहतर उपचार का आश्वासन दिया। वहीं आवास क्षतिग्रस्त होने से परेशान संगठन के एक बूथ अध्यक्ष को अपने निजी सहयोग से एक कमरे के निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की।

जनसंपर्क अभियान के दौरान डॉ. सिंह ने लखनऊ महानगर अल्पसंख्यक मोर्चा के नगर महामंत्री शेर अली के आवास पहुंचकर उनकी माता स्वर्गीय अकबरी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सुभाषनगर और तेलीबाग क्षेत्र में लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने हृदय रोग से पीड़ित एक जरूरतमंद नागरिक के उपचार के लिए विधायक निधि से 1.75 लाख रुपये की सहायता का आश्वासन दिया तथा एक बुजुर्ग महिला के उपचार के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि राजनीति केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि लोगों के कठिन समय में उनके साथ खड़े रहने का दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं और आम नागरिकों के सुख-दुःख में सहभागी बनना ही उनके जनप्रतिनिधित्व का मूल मंत्र है।

संघ कल मनायेगा श्रद्धांजलि दिवस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ ने 25 जुलाई को 'श्रद्धांजलि दिवस' के रूप में मनायेगा। 25 जुलाई 2017 को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शिक्षामित्रों के समायोजन निरस्त किये जाने के बाद से अब तक हजारों शिक्षामित्र असमय काल के गाल में समा चुके हैं। इस अवसर पर प्रदेश भर में शिक्षामित्र अपने दिवंगत साथियों को नमन करेंगे और उनके प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करेंगे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के साथ ही संगठन जिला अध्यक्षों के नेतृत्व में अपनी लंबित और गंभीर समस्याओं के समाधान के लिए एक व्यापक मांग पत्र भी जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार को प्रेषित करेगा। इसकी जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के प्रदेश संगठन मंत्री कौशल कुमार सिंह ने कहा कि हमारी प्रमुख मांगों ट्रांसफर प्रकिया में हो रही देरी है, इसमें 3 जनवरी 2025 के शासनादेश और महानिदेशक, स्कूल शिक्षा के निर्देशों के बावजूद, लखनऊ और बाराबंकी के अतिरिक्त अन्य जिलों में शिक्षामित्रों की मूल विद्यालय वापसी और समायोजन की प्रक्रिया अभी तक पूर्ण नहीं हो पाई है, जिससे शिक्षामित्रों को लंबी दूरी तय करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। शिक्षकों के पद पर समायोजन की बात की जायें तो टीईटी उत्तीर्ण और एनसीटीई मानकों को पूरा करने वाले लगभग 60,000 शिक्षामित्रों को 'सुपर टीईटी' से छूट प्रदान करते हुए उन्हें शिक्षक पद पर समायोजित किया जाए। शिक्षामित्रों के वर्षों के अनुभव और योग्यता को देखते हुए उनकी सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष की जाए। शिक्षामित्रों को 11 माह के स्थान पर 12 महीने का मानदेय प्रदान किया जाए और बेसिक स्कूलों में आयोजित होने वाली 'स्पेशल टीईटी' परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर दिया जाए।

विपक्ष का एजेंडा चर्चा नहीं, व्यवधान पैदा करना : पंकज चौधरी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश मुख्यालय पर पत्रकारवार्ता कर विपक्ष को लिया आड़े हाथ

अमन लेखनी समाचार

- कहा, राहुल गांधी खोया हुआ जनाधार वापस पाने के लिए राजनीतिक प्रदर्शन कर रहे

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार संसद के भीतर हर विषय पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन विपक्ष का उद्देश्य चर्चा नहीं बल्कि व्यवधान उत्पन्न करना और भ्रम फैलाना है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी विपक्ष ने संविधान परिवर्तन और चुनावी सुधार जैसे विषयों पर देश में भ्रम फैलाने का प्रयास किया था, जबकि सरकार ने संसद में विस्तृत चर्चा के माध्यम से सभी तथ्यों को स्पष्ट किया था।

उन्होंने कहा कि आज भी सरकार नीट पेपर लीक अथवा किसी भी अन्य विषय पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष संसद नहीं चलने देना चाहता। उन्होंने राहुल गांधी के हालिया बयानों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वयं कांग्रेस के नेताओं के वक्तव्यों से स्पष्ट हो चुका है कि विपक्ष का एजेंडा चर्चा नहीं बल्कि व्यवधान पैदा करना है। प्रधानमंत्री आवास के बाहर कांग्रेस द्वारा किए गए प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि प्रधानमंत्री आवास के सामने किसी राजनीतिक दल ने धरना दिया हो। प्रधानमंत्री किसी एक दल के नहीं बल्कि पूरे देश के प्रधानमंत्री होते हैं। उन्होंने इसे राजनीति का निम्नतम स्तर बताते हुए कहा कि राहुल गांधी संसद की राजनीति नहीं बल्कि कैमरे की राजनीति कर रहे हैं और खोया हुआ जनाधार वापस पाने के लिए इस प्रकार के राजनीतिक प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा देश के युवाओं को किसी राजनीतिक दल का नहीं बल्कि राष्ट्र का भविष्य मानती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की सभी नीतियों के केंद्र में युवा शक्ति है। उन्होंने कहा कि जैसे ही नीट परीक्षा में अनियमितताओं की जानकारी मिली, सरकार ने तुरंत परीक्षा रद्द कर पुनः परीक्षा आयोजित कराई, जिसका परिणाम भी घोषित हो चुका है। सरकार विद्यार्थियों के भविष्य के प्रति पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए छात्रों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को शीघ्र एवं कठोर दंड दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन के निर्देश दिए हैं, ताकि ऐसे मामलों का त्वरित निस्तारण हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। पंकज चौधरी ने कहा कि यह समय छात्रों की समस्याओं के समाधान का है, न कि राजनीति करने का। यदि विपक्ष के पास नीट और पेपर लीक की समस्या के समाधान के लिए कोई सुझाव हैं तो उन्हें संसद में चर्चा के दौरान रखना चाहिए। सरकार जिस भी नियम के अंतर्गत और जितनी देर तक चर्चा करनी हो, उसके लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन विपक्ष चर्चा से भागकर केवल भ्रम और अराजकता फैलाना चाहता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में भी अनेक पेपर लीक की घटनाएं हुई थीं, जबकि मोदी सरकार ने परीक्षा प्रणाली को लीक-प्रूफ बनाने के लिए कड़े कानूनी एवं प्रशासनिक कदम उठाए हैं।

संक्षेप

आवास के लिये मुख्यमंत्री पोर्टल पर भेजा शिकायत पत्र

उन्नाव। असोहा क्षेत्र के पाठकपुर गांव निवासी मोनू शुक्ल ने आवास के लिये मुख्यमंत्री पोर्टल पर प्रार्थना पत्र दिया। आज खण्ड विकास अधिकारी से मिलने आये मोनू ने बताया कि मेरा घर पूरी तरह से कच्चा व आधे से अधिक गिर गया, बरसात में तो घर मे बैठने की जगह तक नही है ,पूरा घर जगह जगह से टपक रहा है ,मैं किसी तरह चाट का ठेला लगा कर जीवको पार्जन करता हूं ,मेरे पास जमीन भी नही है ,की उसी को बेच के अपने रहने के लिये आवास बनवा सकू ।पिछले पांच वर्षों में मैंने कई बार ग्राम प्रधान को लिखित व मौखिक सूचना दी , इसके अलावा कई बार खण्ड विकास अधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी को भी प्रार्थना पत्र दिया परन्तु आज तक मेरी कही सुनवाई नही हुई , ग्राम प्रधान तो पिछले पांच वर्षों से सिर्फ कोरा आस्वाशन देते आ रहे है कि बस इस बार की लिस्ट में कालोनी आ जायेगी । थक हार कर बीते 20 जुलाई को मुख्यमंत्री पोर्टल पर प्रार्थना पत्र दिया था ,जिसके सम्बन्ध में आज ब्लॉक बुलाया गया था , आज बताया गया कि जांच के आदेश दे दिए गए है । वही इस सम्बंध में जब खण्ड विकास अधिकारी निशासगर से बात की तो उन्होंने बताया कि सम्बन्धित ग्राम पंचायत अधिकारी को जांच के आदेश दे दिए गए है यदि पात्र है तो आवास जरूर मिलेगा ।

घर में खेल रहे मासूम ने धोखे से पी लिया डीजल हालत गंभीर

उन्नाव। घर में खेल रहे मासूम ने घर में रखा डीजल पीलिया इसकी जानकारी होने पर परिजन उसे लेकर सीएससी पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। दही थाना क्षेत्र के गांव पाड़नखेड़ा निवासी कुलदीप का 2 वर्षीय बेटा शिवांशु गुरुवार को घर में खेल रहा था। इस दौरान उसने घर में बोतल में रखा डीजल पी लिया। मां गीता को इसका पता चला तो वह उसे लेकर नवाबगंज सीएचसी पहुंची। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने बच्चे को जिला अस्पताल रेफर कर दिया ।मां गीता ने बताया कि वह घर में खाना बना रही थी पास में ही शिवांशु खेल रहा था कृषि कार्य के लिए घर में रखा डीजल अचानक उसने पी लिया।

दबंगों ने घर में घुसकर महिला व उसकी पुत्री के साथ की मारपीट

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र के ग्राम हसनपुर सगौडा.मे दबंगों ने घर में घुसकर महिला व उसकी पुत्री के साथ मारपीट की। पीडिता ने कोतवाली में घटना की तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। क्षेत्र के गांव हसनपुर सगौड़ा निवासी पूनम पत्नी राजेश ने कोतवाली में दर्ज कराई गई रिपोर्ट मे बताया गया है कि 22 जुलाई को वह पुराने घर गई थी। तभी विशुन व रमेश उसके घर मे घुस गए और उसकी बेटी व बहन को गाली गलौच करने लगे। विरोध करने पर मारपीट की। इस दौरान पूनम घर पहुंची और बहन और पुत्री को बचाने का प्रयास किया। तो उसे भी मारा पीटा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

जिलाधिकारी ने बाढ़ संभावित इलाकों का किया निरीक्षण, तैयारियों का लिया जायजा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मानसून के चलते बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने मंगलवार को सदर तहसील क्षेत्र के बाढ़ संभावित इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह भी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने परियर गंगा घाट के बाबू बंगला और माना बंगला क्षेत्र का भ्रमण कर राहत और बचाव की तैयारियों की जानकारी ली। उपजिलाधिकारी सदर से आपातकालीन स्थिति में की गई व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से पूछा।

निरीक्षण के दौरान परियर गंगा घाट को जोड़ने वाले पहुंच मार्ग पर चल रहे निर्माण कार्य को भी देखा। बोल्डर बिछाने के काम की धीमी गति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और संबंधित ठेकेदार को फटकार लगाई। उन्होंने ठेकेदार को निर्देश दिए कि अधिक श्रमिक लगाकर 4 दिन के अंदर सड़क का निर्माण पूरा किया जाए। कहा कि बाढ़ के समय ग्रामीणों को आवागमन में कोई दिक्कत न हो, इसे सुनिश्चित किया जाए। लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित लोगों के ठहरने के लिए शरणालय स्थलों का चयन पहले से कर लिया जाए। पशुओं के लिए भूसा और चारे की व्यवस्था भी समय से सुनिश्चित की जाए।

स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को मेडिकल टीमों का गठन करने के निर्देश दिए। कहा कि टीमों के पास एंटी वेनम के साथ डायरिया, बुखार, खांसी, जुकाम और अन्य आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। बाढ़ के दौरान किसी भी नागरिक को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी प्रबंध पुख्ता किए जाएं।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, क्षेत्राधिकारी सफीपुर दीपक यादव, उपजिलाधिकारी सदर राजेश कुमार विश्वकर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मंच से सराहे दोनों के प्रयास, पर्यावरण संरक्षण से शिक्षा और नशामुक्ति तक उल्लेखनीय योगदान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। वैदेही वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियान्त्रिकी एवं तकनीकी संकाय में आयोजित ह्यएक पौधा जिंदगी के लिए सीजन-10 में पर्यावरण, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए उन्नाव से ट्री मैन ऑफ यू पी और ऑक्सीजन मैन के नाम से लोक प्रिय प्रभारी पुलिस कंट्रोल रूम अनूप मिश्रा अपूर्व और शिक्षक प्रदीप कुमार वर्मा को सम्मानित किया गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नम्रता पाठक, पत्नी उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक तथा प्रो. रवीन्द्र पाल सिंह रहे। आयोजन में संस्थापिका डॉ. रूबी राज सिंह शिवसुंदरी, इंजीनियर प्रशांत प्रवीण सिन्हा और खुशबू वर्मा की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। इस अवसर पर सीनियर सब इंस्पेक्टर एवं उन्नाव पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी अनूप मिश्र अपूर्व को पर्यावरण संरक्षण और गरीब व जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों हेतु विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वहीं डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा को नशामुक्ति के लिए व्यापक जनजागरूकता, शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं नवाचारी कार्यों तथा पर्यावरण संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि नम्रता पाठक ने मंच से दोनों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके प्रयासों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम में प्रीति वार्ष्णेय (समाज सेविका) अध्यक्ष - वार्ष्णेय महिला उत्थान समिति सहित उल्लेखनीय कार्य करने वाली 51 से अधिक विभूतियों को पौधे और प्रमाणपत्र भेंट कर पौध संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। सभी ने पौधे को परिवार के सदस्य की तरह अपनाकर वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल का संकल्प लिया। संदेश दिया गया कि पौधा लगाना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे जीवित रखना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। फाउंडेशन ने बताया कि संस्था पिछले दस वर्षों से बिना कॉर्पोरेट स्पॉन्सरशिप अथवा व्यक्तिगत आर्थिक सहयोग के अपने संसाधनों से सामाजिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती आ रही है। आयोजन ने पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सहभागिता और जनसेवा का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन युवा एंकर एंजेल प्रवीण ने किया।

एएसपी ने पुरवा व मौरावा थाने में ली विवेचकों की समीक्षा बैठक, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह ने मंगलवार को थाना पुरवा पहुंचकर थाना पुरवा और थाना मौरावां के सभी विवेचकों के साथ अर्दली रूम किया। बैठक में लंबित विवेचनाओं की स्थिति की गहन समीक्षा की गई।

एएसपी ने सभी विवेचकों से लंबित मामलों की प्रगति रिपोर्ट ली और निस्तारण में आ रही दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है। सभी विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस दौरान क्षेत्राधिकारी पुरवा अरविंद कुमार भी मौजूद रहे। एएसपी ने दोनों थानों के विवेचकों को साक्ष्य संकलन, गवाहों के बयान और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में विवेचकों को शासन की प्राथमिकता वाले मामलों और महिलाओं से जुड़े अपराधों के निस्तारण में तेजी लाने को भी कहा गया है।

जमीन विवाद में पति ने लगाई आग, बचाने आई पत्नी भी झुलसी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के कल्याणी इलाके में गुरुवार दोपहर एक युवक ने पत्नी और रिश्तेदारों के सामने खुद को आग के हवाले कर दिया। आग बुझाने के प्रयास में पत्नी भी गंभीर रूप से झुलस गई। दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। जानकारी के मुताबिक कल्याणी क्षेत्र के एक मकान में जमीन की रजिस्ट्री को लेकर परिवार के लोग जुटे थे। घानीखेड़ा गांव निवासी हृदयेश कुमार तिवारी और उनकी पत्नी रानू तिवारी भी वहां मौजूद थे। रजिस्ट्री के गवाह बनने के लिए रानू के भाई और अन्य रिश्तेदार भी आए थे। बातचीत के दौरान अचानक हृदयेश ने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। इससे घर में भगदड़ मच गई। पति को लपटों में घिरा देखकर रानू उसे बचाने के लिए दौड़ीं, इसी दौरान उनके हाथ भी बुरी तरह झुलस गए। आसपास के लोगों ने आग पर काबू पाया और दोनों को फौरन जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है और निगरानी में उपचार चल रहा है।अस्पताल में रानू ने बताया कि शादी के समय हृदयेश ने उनके नाम प्लॉट की रजिस्ट्री कराने का वादा किया था। डेढ़-दो साल बीत जाने के बाद भी वादा पूरा नहीं हुआ। उनका आरोप है कि रजिस्ट्री के एवज में 35 हजार रुपये भी लिए गए, लेकिन जमीन अब तक नहीं हुई। उन्होंने बताया कि इस विवाद को लेकर पहले भी पुलिस में शिकायत की थी और पुलिस की मौजूदगी में एक हफ्ते में रजिस्ट्री करने की बात तय हुई थी। रानू ने पति पर कुछ अन्य आरोप भी लगाए हैं, जिनकी पुलिस जांच कर रही है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक तौर पर यह मामला पारिवारिक विवाद और जमीन की रजिस्ट्री से जुड़ा लग रहा है। दोनों पक्षों के बयान, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य सबूतों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी पता कर रही है कि आत्मदाह के पीछे असल वजह क्या थी।

महान क्रांतिकारी जनपद के लाल अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी की जयंती पर शत-शत नमन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे, आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और अदम्य साहस का अमर उद्घोष है।चंद्रशेखर आजाद ने अपने अल्प जीवन में भारत माता की स्वतंत्रता के लिए जो त्याग, पराक्रम और बलिदान दिया, वह सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के सामने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया और अपने संकल्प के अनुरूप अंतिम क्षण तक ₹आजाद₹ ही रहे।आज उनकी जयंती पर हम सभी का दायित्व है कि उनके राष्ट्रप्रेम, आत्मसम्मान, अनुशासन और बलिदान की भावना को अपने जीवन में उतारें तथा एक सशक्त, समरस और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

कोटि-कोटि नमन उस अमर सपूत को, जिसने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर भारत की स्वतंत्रता की नींव को और अधिक सुदृढ़ बनाया।

भारत माता की !

वंदे मातरम !

इंकलाब ज़िंदाबाद !

देवेंद्र सिंह देवा सिंह

जर्नलिस्ट उन्नाव उत्तर प्रदेश !

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण व यातायात जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुरवा उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन विभाग द्वारा संचालित वृक्षारोपण अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' (सत्र 2026-27) के अंतर्गत बैगांव स्थित सरजू देवी माता प्रसाद इण्टर कॉलेज में भव्य पौधरोपण एवं यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने का संदेश देते हुए विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम का सफल संयोजन स्वयंवर राजपूत द्वारा किया गया।

विद्यार्थियों को बांटी गई यातायात पुस्तिका और दिलाई गई शपथ

पौधरोपण के साथ-साथ सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यक्रम संयोजक स्वयंवर राजपूत ने विद्यालय के प्रधानाचार्य को यातायात पुस्तिका भेंट की तथा विद्यार्थियों को पैम्फलेट बांटकर यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान उपस्थित लोगों व विद्यार्थियों को बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट गाड़ी न चलाने तथा 18 वर्ष की आयु से पूर्व वाहन न चलाने की गंभीर शपथ दिलाई गई।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने में विद्यालय परिवार व ए.आर.टी.ओ. (A.R.T.O.) कार्यालय की प्रमुख भूमिका रही। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकुमार गौतम सहित हरिकृष्ण शुक्ल, श्रवण कुमार, प्रदीप चन्द्र, कुलदीप मोहन त्रिवेदी, कृष्णगोपाल द्विवेदी, अंजली, दिव्या तथा अवनीश कुशवाहा उपस्थित रहे।

तृतीय श्रेणी कर्मचारी वरिष्ठलिपिक राकेश कुमार अवस्थी के

साथ ही चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में शिवकुमार जी, आशा विमल, राजकुमार उर्फ वकील एवं रामसहारे ने भी अपना सक्रिय योगदान दिया।

प्रधानाचार्य ने व्यक्त किया आभार

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य राजकुमार गौतम ने ए.आर.टी.ओ. कार्यालय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विद्यालय को इस महत्वपूर्ण एवं जागरूकता से भरे कार्यक्रम के लिए चिन्हित करना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

टीसी के नाम पर दो हजार रुपये मांगने का आरोप, एसडीएम से शिकायत

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। क्षेत्र के मौला स्थित राजदेवी सिंह विद्यालय की छात्राएं शाश्वत सिंह और आकृति सिंह ने उपजिलाधिकारी हसनगंज को शिकायती पत्र देकर विद्यालय प्रबंधन पर ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) जारी करने के नाम पर अवैध वसूली का आरोप लगाया है। छात्राओं का कहना है कि उन्होंने कक्षा 10 की पढ़ाई पूरी कर ली है और अब दूसरे विद्यालय में प्रवेश लेना चाहती हैं। इसके लिए जब वे टीसी लेने विद्यालय पहुंचीं तो प्रबंधक ने दो हजार रुपये अतिरिक्त जमा करने की मांग की। आरोप है कि विद्यालय की निर्धारित सभी फीस पहले ही जमा की जा चुकी है, इसके बावजूद टीसी देने के लिए अतिरिक्त धनराशि मांगी जा रही है। छात्राओं ने बताया कि दो हजार रुपये न देने पर उन्हें टीसी देने से इंकार कर दिया गया। पीड़ित छात्राओं ने एसडीएम से मामले की निष्पक्ष जांच कर विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करते हुए बिना अतिरिक्त शुल्क के टीसी उपलब्ध कराने की मांग की है। एसडीएम शालिनी तोमर ने बताया मामला संज्ञान में आया है ।मामले की जांच के लिए नायब तहसीलदार को लिखा गया है ।जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

पशु चिकित्साधिकारी निलंबित बिना डीजल खरीदे फर्जी बिल भुगतान लेने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पशुपालन विभाग में वित्तीय अनियमितता और शासकीय दायित्वों के प्रति लापरवाही के बड़े मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। सिकंदरपुर कर्ण क्षेत्र में तैनात पशु चिकित्साधिकारी डॉ. शरद शाक्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उन पर बिना डीजल खरीदे 4,220 रुपये का फर्जी बिल/वाउचर प्रस्तुत कर भुगतान लेने, वित्तीय अनियमितता और शासकीय दायित्वों में लापरवाही बरतने के आरोप लगे हैं, जिस पर उन्हें निलम्बित कर दिया गया है ! इन आरोपों के संबंध में उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली 1199 के तहत नियम -7 के तहत 6 नवाने 2025 को विभागीय अनुशासनिक कार्यवाही की गई थी !. मामले की जांच में पशुपालन विभाग कानपुर मण्डल के तत्कालीन अपर निर्देशक ग्रेड -2 को जांच अधिकारी नामित किया गया था, उन्हें 1 माह के भीतर जांच रिपोर्ट शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे, हालांकि निर्धारित समय सीमा के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, इसके बाद 20 मार्च 2026 को शासन से लम्बित जांच रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए गए, लेकिन जांच अधिकारी फिर रिपोर्ट नहीं भेजी ! शासन ने जांच अधिकारी को दायित्वों में लापरवाही बरतने पर तत्कालीन जांच अधिकारी अपर निर्देशक ग्रेड -2 पशुपालन विभाग कानपुर मण्डल के खिलाफ भी उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक नियमवाली के तहत कार्रवाई का निर्णय लिया गया ! साथ ही विभागीय जांच को आगे बढ़ाने के लिए पूर्व जांच अधिकारी के स्थान पर मंडलायुक्त लखनऊ मण्डल को नया जांच नियुक्त किया गया है, शासन की मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच पूरी करने के निर्देश दिए हैं !

एक साहित्यिक विरासत का धुंधलाता गौरव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। बांगरमऊ, उन्नाव। एक समय था जब उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले का कस्बा बांगरमऊ अपनी तहजीब, शायरी और साहित्यिक चचाओं के लिए पूरे अवध क्षेत्र में जाना जाता था। कभी उर्दू अदब और हिंदी साहित्य का प्रमुख केंद्र रहा यह कस्बा आज अपनी उस पुरानी पहचान को खोता हुआ प्रतीत हो रहा है। इतिहासकारों और बुजुर्गों की मानें तो बांगरमऊ की गलियों में एक समय मुशायरों और कवि सम्मेलनों की गूंज सुनाई देती थी। यहाँ के निवासी न केवल साहित्य के प्रेमी थे, बल्कि स्वयं भी कलम के धनी थे। कस्बे में कई ऐसे शायर और कवि हुए, जिन्होंने न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि जिले व प्रदेश स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। ?एक वरिष्ठ साहित्यप्रेमी व शायर शमशुल हसन शम्स बताते हैं, ₹यहाँ की फिजाओं में अदब घुला हुआ था। चाहे उर्दू की गजलें हों या हिंदी की कविताएँ, हर चौराहे पर साहित्यिक चचाएँ आम थीं।₹ ?पिछले कुछ दशकों में बांगरमऊ में साहित्य के प्रति लोगों के लगाव में कमी देखी गई है। इसके पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं जैसे आधुनिक भागदौड़ भरी जिंदगी और डिजिटल युग के प्रभाव के कारण नई पीढ़ी का झुकाव पठन-पाठन से हटकर अन्य क्षेत्रों की ओर अधिक हुआ है। समय के साथ ऐसे साहित्यिक कार्यक्रमों और मंचों में कमी आई है, जो नए लेखकों और कवियों को प्रोत्साहित कर सकें। पुरानी साहित्यिक धरोहरों और स्थानीय रचनाकारों के कार्यों को सहेजने के लिए उचित प्रयासों की कमी भी एक बड़ा कारण है।हालांकि, निराशा के इस माहौल में भी कुछ युवा और साहित्यप्रेमी समूह फिर से बांगरमऊ की साहित्यिक विरासत को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से स्थानीय कवि और शायर अपनी रचनाओं को साझा कर रहे हैं और छोटे स्तर पर ही सही, लेकिन काव्य गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है। ?बांगरमऊ के बुद्धिजीवियों का मानना है कि यदि स्थानीय प्रशासन और साहित्य अकादमी जैसी संस्थाएं इस दिशा में पहल करें, तो इस कस्बे की खोई हुई साहित्यिक रौनक फिर से लौट सकती है। बांगरमऊ को पुनः अदब और साहित्य की उसी पुरानी पहचान के साथ खड़ा करने के लिए नई पीढ़ी को जोड़ने की सबसे अधिक आवश्यकता है।

पेड़ गिरने से विद्युत पोल टूटे आपूर्ति हुई ठप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। विकास खंड मियागंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत मखदूमपुर शाह सफी के मजरा बलदेव खेड़ा निवासी शिवकुमार के घर के पास स्थित देव स्थान पर एक विशालकाय नीम का पेड़ तीन दिन पूर्व हुई बारिश में गिर गया था जिससे करीब छह विद्युत पोल भी टूट गए जिससे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो गयी वहीं करीब छह गांवों का आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया ग्राम पंचायत मखदूमपुर शाह सफी के ग्राम प्रधान राहुल वर्मा व ऐनी खुर्द के ग्राम प्रधान बैजनाथ चौरसिया ने इसकी सूचना वन विभाग को दी तब वन विभाग ने गुरुवार को पेड़ काटकर हटाने की बात कही वहीं ग्रामीणों में राम औतार, राम खेलावन, राहुल, सर्वेश आदि ने बताया कि तीन दिन से पेड़ गिरा पड़ा है जिससे आवागमन पूरी तरह से बाधित है इस सम्बंध में में डिप्टी रेंजर सुभाष चन्द्र ने बताया कि गुरुवार को जानकारी मिली है मौके पर बीट प्रभारी संजीव चौहान के साथ टीम को मौके पर भेजकर पेड़ को काटकर हटवाया जाएगा वहीं विद्युत विभाग के जेई रामू लोधी ने बताया कि जब तक पेड़ काटकर नहीं हटाया जाएगा तब तक विद्युत पोल नहीं लगाए जा सकते हैं विद्युत पोल मंगा लिए गए हैं ट्रैक्टर ट्रॉली से विद्युत पोल भेजकर आपूर्ति जल्द ही बहाल कराई जाएगी।

महिला ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला की समाप्त

अमन लेखनी समाचार

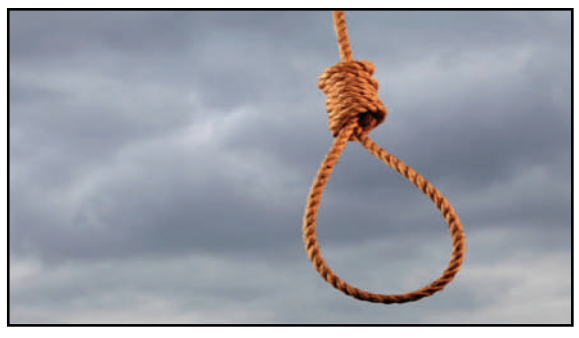

पुरवा, उन्नाव। भूपतिपुर गांव में बुधवार को दोपहर 35 वर्षीय महिला ने कमरे में लगे कुंडे में रस्सी के सहारे लटक गयी । स्कूल से पढ़कर घर लौटी उसकी दोनों बेटियों ने मां का कमरे में लटका देखकर जोर से रोने की आवाज सुनकर ग्रामीण व परिजन मौके पर पहुंचे । मृतका के पिता की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भूपतिपुर निवासी नीतू के पति की करीब आठ वर्ष पहले मौत हो चुकी थी। वह मजदूरी कर अपनी दो बेटियों आरती और अंशिका का पालन-पोषण कर रही थी। ससुर भवरेश्वर ने बताया कि वह मजदूरी करने पुरवा गया। जहां बुधवार को बहू नीतू धान की बेड़ लगाने के बाद घर लौटी थी। इसी दौरान स्कूल से वापस आई दोनों बेटियां घर के अंदर पहुंचीं तो मां को कमरे की पक्की छत में लगे कुंडे से रस्सी के फंदे पर लटका देखा। यह देख दोनों बेटियां रोने-चिल्लाने लगीं। उनकी आवाज सुनकर ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंच गए।

घटना की जानकारी मिलने पर मृतका के पिता लोगनाथ निवासी गंगाखेड़ा (थाना असोहा) ने पुलिस को सूचना दी। उपनिरीक्षक रमेश सेंगर ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नीतू की मौत से ससुर भवरेश्वर और सास बाबूदेई का रो-रोकर बुरा हाल है।

कोतवाली प्रभारी भवन मौर्य ने बताया कि महिला की मौत के कारणों के संबंध में परिजन फिलहाल कुछ स्पष्ट नहीं बता पा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

वार्ता से ही निकलेगा सुलह का रास्ता

मुद्दा
कांतिलाल मांडोत

परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर दिल्ली में आयोजित 'चलो संसद' मार्च ने शिक्षा सुधार के मुद्दे के साथ-साथ आंदोलनों की प्रकृति और उनकी राजनीतिक भूमिका पर भी नई बहस छेड़ दी है। जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़ते प्रदर्शन, पुलिस के साथ टकराव और विपक्षी दलों की सक्रिय मौजूदगी ने यह सवाल खड़ा किया कि क्या यह केवल छात्रों की आवाज थी या फिर राजनीतिक दलों के लिए सरकार को घेरने का अवसर भी। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सर्वोपरि है, लेकिन उसकी विश्वसनीयता तभी बनी रहती है जब वह जनहित, संयम, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं के दायरे में आगे बढ़े।

परीक्षाओं में कथित धांधली के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्रों के 'चलो संसद' मार्च के दौरान पैदा हुए तनाव के बाद जिस प्रकार केंद्र सरकार ने बातचीत की पहल की और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा के साथ प्रतिनिधिमंडल की वार्ता हुई, उसके बाद अभिजीत दीपके द्वारा अनशन समाप्त करने का निर्णय एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है।नड्डा ने प्रदर्शनकारी प्रतिनिधियों से उनकी मांगों पर चर्चा की। बातचीत में सोनम वांगचुक की रिहाई, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग सहित परीक्षा प्रणाली में सुधार जैसे मुद्दे उठाए गए। यह पहल संकेत देती है कि लंबे गतिरोध का समाधान टकराव के बजाय संवाद और सहमति के माध्यम से तलाशने की कोशिश की जा रही है। हालांकि यह भी सच है कि हा मुद्दे का समाधान वार्ता से ही निकलता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां नागरिकों को अपनी बात रखने, सरकार से सवाल पूछने और अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से उठाने का संवैधानिक अधिकार है। यही अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को जीवंत बनाते हैं। दूसरी ओर, सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की होती है। इसलिए जब भी किसी आंदोलन और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बनती है, तब दोनों पक्षों से संयम और जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है। सरकार द्वारा प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए आमंत्रित करना और आंदोलनकारियों द्वारा बातचीत का रास्ता स्वीकार करना इस दिशा में एक सकारात्मक शुरुआत है। इससे यह संदेश जाता है कि लोकतंत्र में असहमति के बावजूद संवाद के द्वार कभी बंद नहीं होने चाहिए। यदि दोनों पक्ष पूर्वाग्रह छोड़कर समाधान की भावना से आगे बढ़ें तो कई ऐसे विवाद भी सुलझ सकते हैं जो सड़क पर लंबे गतिरोध का कारण बन जाते हैं। अब आवश्यकता केवल आश्वासन तक सीमित रहने की नहीं है। सरकार को परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए ठोस सुधार लागू करने होंगे। वहीं आंदोलन का नेतृत्व कर रहे युवाओं और आयोजकों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी आवाज रचनात्मक सुझावों के साथ आगे बढ़े और आंदोलन का स्वरूप शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक बना रहे। इससे उनकी मांगों को अधिक व्यापक समर्थन भी मिलेगा और समाधान की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। वहीं, कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। सभी मसलों को मिल बैठकर सुलझाना ही प्राथमिकता होना चाहिए। वहीं, विपक्ष का दायित्व केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों पर रचनात्मक सुझाव देना और समाधान की दिशा में सहयोग करना भी है। शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर रखकर देखा जाना चाहिए, क्योंकि इसका सीधा संबंध देश के युवाओं और भविष्य से है। अंततः यह घटनाक्रम एक महत्वपूर्ण सीख देता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सड़क पर उतरना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन स्थायी समाधान हमेशा संवाद की मेज पर ही निकलता है। टकराव क्षणिक सुर्खियां दे सकता है, पर विश्वास और सहमति केवल बातचीत से ही बनती है।

आंदोलन की आड़ में राजनीति अनुचित

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद तक निकाले गए तथाकथित चलो संसद मार्च ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या देश में हर आंदोलन वास्तव में जनहित के लिए होता है या फिर कुछ आंदोलन केवल राजनीतिक उद्देश्य साधने के लिए खड़े किए जाते हैं। सोनम वांगचुक के अनशन और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन को जिस तरह से आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं ने खुलकर समर्थन दिया, उससे यह आंदोलन एक स्वतंत्र जनआंदोलन कम और विपक्षी दलों के राजनीतिक मंचन का प्रयास अधिक दिखाई दिया। जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने की कोशिश के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बनी। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया, कई लोग संसद मार्ग की ओर बढ़े और कुछ प्रदर्शनकारी मेट्रो स्टेशनों तक पहुंच गए, जहां नारेबाजी भी हुई। ऐसे समय में जब संसद का सत्र चल रहा हो और राजधानी में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो, तब बिना अनुमति संसद की ओर मार्च निकालना स्वाभाविक रूप से कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बन जाता है। शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार संविधान देता है, लेकिन उसके साथ कानून का पालन करना भी उतना ही आवश्यक है। लोकतंत्र अधिकार और जिम्मेदारी दोनों के संतुलन पर ही चलता है।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाना नागरिकों का अधिकार है। लेकिन जब विरोध प्रदर्शन संसद, राष्ट्रपति भवन या अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की ओर बढ़ने लगते हैं, तब प्रशासन के सामने सुरक्षा सुनिश्चित करने की चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती है। इसलिए यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि प्रदर्शनकारी और प्रशासन दोनों संयम बरतें। यदि कहीं अनावश्यक बल प्रयोग हुआ है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, वहीं यदि कानून तोड़ने का प्रयास हुआ है तो उसके लिए भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अधिक ध्यान खींचने वाली बात यह रही कि मंच पर और प्रदर्शन में कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। मनीष सिसोदिया, आतिशी, संजय सिंह और अन्य विपक्षी नेताओं की मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि आंदोलन अब शिक्षा सुधार की मांग से आगे बढ़कर राजनीतिक रंग ले चुका है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि यह वास्तव में छात्रों का आंदोलन था तो फिर विपक्षी दलों की इतनी सक्रिय भूमिका क्यों दिखाई दी। लोकतंत्र में राजनीतिक समर्थन असामान्य नहीं है, लेकिन जब किसी आंदोलन की पहचान उसके मूल मुद्दे से अधिक राजनीतिक दलों की उपस्थिति से होने लगे, तो उसके स्वरूप पर चर्चा होना भी स्वाभाविक है। पेपर लीक का मुद्दा निश्चित रूप से गंभीर है और किसी भी परीक्षा में अनियमितता होने पर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखना सरकार और संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी है। प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं लाखों मेहनती छात्रों के भविष्य से जुड़ी होती हैं और ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। इसलिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, परीक्षा प्रक्रिया में तकनीकी सुधार और

पारदर्शिता सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। लेकिन पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को विफल घोषित कर देना या हर परीक्षा को संदेह के घेरे में खड़ा कर देना भी उचित नहीं कहा जा सकता। लाखों विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम के बाद परीक्षाएं दीं और बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत का प्रमाण दिया।

ऐसे में यह कहना कि पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, उन लाखों ईमानदार विद्यार्थियों की मेहनत का भी अपमान माना जा सकता है। सुधार की आवश्यकता स्वीकार करना और पूरे तंत्र को असफल घोषित कर देना दोनों अलग-अलग बातें हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी लगातार शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रही हैं। विपक्ष का यह अधिकार भी है और लोकतंत्र में उसकी जिम्मेदारी भी। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि देश की शिक्षा व्यवस्था का बड़ा हिस्सा दशकों तक उन्हीं सरकारों के अधीन विकसित हुआ, जिनका नेतृत्व कांग्रेस ने किया। यदि आज विपक्ष शिक्षा सुधार की बात करता है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए उसने कौन-सी ऐसी व्यवस्थाएं विकसित की थीं जो भविष्य की चुनौतियों का समाधान कर सकें। लोकतांत्रिक बहस तब अधिक प्रभावी होती है जब उसमें आत्ममंथन भी शामिल हो। यह भी देखने योग्य है कि इस पूरे आंदोलन में अभिजीत दीपके को प्रमुख चेहरा बनाया गया, जबकि राजनीतिक समर्थन विपक्षी दलों की ओर से प्रमुखता से दिखाई दिया। इससे ऐसी धारणा बनी कि आंदोलन का सामाजिक पक्ष धीरे-धीरे राजनीतिक रणनीति के साथ जुड़ गया। किसी भी जनआंदोलन की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्वतंत्रता और विश्वसनीयता होती है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि आंदोलन किसी राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बन गया है, तो उसके मूल उद्देश्य पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठने लगते हैं। देश इस समय आधारभूत संरचना, डिजिटल प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष, परिवहन, विनिर्माण और वैश्विक कूटनीति जैसे अनेक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ने का दावा कर रहा है। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और आर्थिक संभावनाओं पर दुनिया की नजर है। ऐसे समय में सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ उसकी कमियों पर भी चर्चा होनी चाहिए। लेकिन आलोचना तथ्यों, प्रमाणों और रचनात्मक सुझावों पर आधारित होनी चाहिए। केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से न तो शिक्षा व्यवस्था सुधरेगी और न ही विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान होगा। यह भी आवश्यक है कि सरकार ऐसे आंदोलनों को केवल राजनीतिक चुनौती मानकर खारिज न करे।

यदि छात्रों और युवाओं के बीच किसी विषय को लेकर असंतोष है तो उसके कारणों को समझना और समाधान निकालना भी सरकार की जिम्मेदारी है। संवाद किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति होता है। जहां संवाद समाप्त होता है, वहीं टकराव शुरू होता है। इसलिए सरकार और प्रदर्शनकारियों—दोनों को संवाद का रास्ता खुला रखना चाहिए। आज जरूरत केवल विरोध या समर्थन की राजनीति करने की नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने की है। परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय हो, डिजिटल सुरक्षा मजबूत की जाए, पेपर लीक मामलों की समयबद्ध जांच हो और दोषियों को शीघ्र सजा मिले। इससे विद्यार्थियों का भरोसा मजबूत होगा और आंदोलन की आवश्यकता भी कम पड़ेगी। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। वह समय के साथ यह तय करती है कि कौन-सा आंदोलन वास्तविक जनहित से प्रेरित है और कौन-सा राजनीतिक लाभ की संभावना से। शिक्षा सुधार पर गंभीर चर्चा अवश्य होनी चाहिए, लेकिन उसके लिए रचनात्मक संवाद, संस्थागत सुधार और ठोस नीति आवश्यक है, न कि केवल सड़क पर शक्ति प्रदर्शन।

निर्णायक कदम

महेन्द्र तिवारी

शून्य उत्सर्जन की दिशा में भारतीय रेलवे का सफर

भारतीय रेल नेटवर्क दुनिया के सबसे बड़े और व्यस्ततम रेल नेटवर्कों में से एक है। अपनी स्थापना के समय से लेकर आज तक भारतीय रेलवे ने समय के साथ अपनी तकनीक और कार्यप्रणाली में कई बड़े और परिवर्तनकारी बदलाव किए हैं। कोयले से चलने वाले भाप इंजनों से लेकर डीजल और फिर व्यापक विद्युतीकरण तक का सफर रेलवे की निरंतर तकनीकी प्रगति को दर्शाता है। इसी विकास यात्रा में अब एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। भारत ने अपनी पहली हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित ट्रेन का सफलतापूर्वक संचालन शुरू कर दिया है। नमो ग्रीन रेल के नाम से जानी जाने वाली यह अत्याधुनिक ट्रेन हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच पटरियों पर उतरी है। यह केवल एक नई ट्रेन का उद्घाटन मात्र नहीं है बल्कि यह ऊर्जा के स्वच्छ विकल्पों की ओर भारत के एक बड़े और निर्णायक कदम का प्रतीक है। इस ट्रेन का निर्माण रेलवे की चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया गया है जो भारत की आत्मनिर्भरता और इंजीनियरिंग क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है। इस ट्रेन के स्वरूप और क्षमता की बात करें तो इसमें दो विशेष रूप से डिजाइन की गई हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार और आठ वातानुकूलित यात्री कोच शामिल किए गए हैं। अपनी पूरी क्षमता के साथ यह ट्रेन एक बार में लगभग छब्बीस सौ यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित और सुगमता से पहुंचाने में सक्षम है। गति के मोर्चे पर भी यह ट्रेन काफी उन्नत है। हालांकि इसकी अधिकतम डिजाइन गति एक सौ दस किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है, लेकिन वर्तमान प्रायोगिक चरण में इसे पचहत्तर किलोमीटर प्रति घंटे की सुरक्षित रफ्तार से संचालित किया जा रहा है। यह हाइड्रोजन ट्रेन अपनी बिजली खुद बनाती है। ट्रेन की छतों या विशेष डिब्बों में उच्च दबाव वाले मजबूत टैंक लगे होते हैं जिनमें हाइड्रोजन गैस सुरक्षित रूप से भरी होती है। यह गैस ट्रेन में लगे अत्याधुनिक फ्यूल सेल के भीतर जाती है। वहां यह गैस वायुमंडल से खींची गई ऑक्सीजन के साथ एक इलेक्ट्रो रासायनिक प्रतिक्रिया करती है। इस पूरी रासायनिक प्रक्रिया के परिणामस्वरूप भारी मात्रा में बिजली पैदा होती है और यही वह बिजली है जो ट्रेन की भारी भरकम मोटरों को चलाकर उसे पटरियों पर आगे बढ़ाती है। इस पूरी प्रक्रिया का सबसे खूबसूरत और पर्यावरण के अनुकूल पहलू यह है कि इसमें कोई हानिकारक धुआं या कार्बन गैस वातावरण में नहीं घुलती है। जींद रेलवे स्टेशन पर इस ट्रेन में गैस भरने के लिए एक विशेष रिफ्यूलिंग स्टेशन बनाया गया है जो इंजीनियरिंग का एक जटिल नमूना है। भविष्य में अगर इन ट्रेनों को पूरे देश में चलाना है तो ऐसे सैकड़ों स्टेशन बनाने होंगे। इसके लिए हरित हाइड्रोजन का उत्पादन बड़े पैमाने पर बढ़ाना होगा और उसे सुरक्षित रूप से देश के कोने कोने तक ले जाने के लिए विशेष टैंकरों की व्यवस्था करनी होगी। भंडारण की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित किए बिना इस तकनीक का विस्तार संभव नहीं है। जब तक हाइड्रोजन के उत्पादन से लेकर उसके अंतिम वितरण तक का एक सस्ता और सुलभ तंत्र पूरी तरह से विकसित नहीं हो जाता तब तक इस तकनीक का व्यावसायिक रूप से पूरे भारत में विस्तार करना एक बड़ी आर्थिक और व्यावहारिक चुनौती बनी रहेगी। रखरखाव और सुरक्षा के मामले में भी यह नई तकनीक रेलवे के कर्मचारियों के लिए एक बिल्कुल नया अनुभव और चुनौती लेकर आई है। डीजल इंजनों के भारी भरकम यांत्रिक पुर्जों और तेल से अलग इस ट्रेन का रखरखाव मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक और रासायनिक प्रणालियों की सटीकता पर निर्भर करता है। हाइड्रोजन गैस बहुत ही अधिक ज्वलनशील होती है इसलिए इसके जरा से भी रिसाव का पता लगाने के लिए ट्रेन के चप्पे चप्पे पर अति संवेदनशील सेंसर लगाए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वचालित प्रणालियां स्थापित की गई हैं। इन सब अत्याधुनिक उपकरणों की नियमित जांच और मरम्मत के लिए भारतीय रेलवे को अपने तकनीकी कर्मचारियों और इंजीनियरों को सिरे से नया प्रशिक्षण देना होगा ताकि सुरक्षा मानकों के साथ किसी भी स्तर पर कोई समझौता न हो सके।

संकलित दर्शन

शांति से दुखों को किया जा सकता है खत्म

हम स्वयं शांति के सर्वश्रेष्ठ प्रहरी हैं। हमें कोई दूसरा व्यक्ति या वस्तु या स्थान शांति दे सकता है, यह एक काल्पनिक विचार है। हम स्वयं शांति से रह सकते हैं और दूसरों को भी शांतिपूर्वक रख सकते हैं। शांति एक मानवीय गुण तो है ही, लेकिन यह आत्मिक शक्ति है। शांति सभी सुखों की मूल है। इससे सभी वैभव एवं ऐश्वर्य की पूर्ति संभव है। शांति द्वारा सभी दुखों का शमन किया जा सकता है। इससे हर रोग का निदान होता है। शांति का माध्यम सभी समस्याओं का समाधान तैयार करता है। शांति ही देश का निर्माण करती है, वहीं अशांति से देश का पतन आरंभ होता है। शांति और अशांति के बीच समाज, समुदाय, वर्ग, कौम, जाति और संस्थाएं गतिहीन हो जाती हैं। देश की उन्नति, विकास और पुनर्निर्माण के लिए शांति का वातावरण अनिवार्य है। शांति एक शब्द मात्र नहीं है। शांति को मन मंदिर में बसाने वाले लोग देव तुल्य होते हैं। इसलिए स्वयं भी शांति के प्रहरी बनिए और दूसरों को भी शांति दूत बनाइए। यही संसार के मंगल का भेद है। शांति से बड़ी कोई दौलत नहीं है। परिवार में शांति एक वट वृक्ष की तरह है, जिसकी छाया में आनंद की अनुभूति पाई जा सकती है। अशांति कालांतर में अग्नि के समान जीवन के हर अंग को भस्म कर देती है। मानवता का मूल इसी शांति के गर्भ में स्थिर है। यदि जीवन को सुख और वैभव से संपन्न करना हो तो निश्चित ही शांति की पूजा करनी होगी। देश में जन सामान्य को शांति के सूत्र अपनाने चाहिए। सावधानी के साथ प्रेम का व्यवहार शांति के मार्ग को निष्कंटक करेगा।

संकलित प्रेरणा

बल प्रयोग अंतिम विकल्प

एक चिड़िया का एक दाना पेड़ के कंदरे में कहीं फंस गया था। चिड़िया ने पेड़ से बहुत अनुरोध किया उस दाने को दे देने के लिए लेकिन पेड़ उस छोटी सी चिड़िया की बात भला कहां सुनने वाला था। हार कर चिड़िया बढ़ई के पास गई और उसने उससे अनुरोध किया कि तुम उस पेड़ को काट दो, क्योंकि वो उसका दाना नहीं दे रहा। भला एक दाने के लिए बढ़ई पेड़ कहां काटने वाला था। फिर चिड़िया राजा के पास गई और उसने राजा से कहा कि तुम बढ़ई को सजा दो क्योंकि बढ़ई पेड़ नहीं काट रहा और पेड़ दाना नहीं दे रहा। राजा ने उस नन्हीं चिड़िया को डांट कर भगा दिया कि कहां एक दाने के लिए वो उस तक पहुंच गई है। चिड़िया हार नहीं मानने वाली थी। वो महावत के पास गई कि अगली बार राजा जब हाथी की पीठ पर बैठेगा तो तुम उसे गिरा देना। चिड़िया आखिर में चींटी के पास गई और वही अनुरोध दोहराकर कहा कि तुम हाथी की सूंढ़ में घुस जाओ। चींटी ने चिड़िया से कहा, चल भाग यहां से...बड़ी आई हाथी की सूंढ़ में घुसने को बोलने वाली। अब तक अनुरोध की मुद्रा में रही चिड़िया ने रौद्र रूप धारण कर लिया। उसने चींटी से कहा तुझे तो अपनी चोंच में डाल कर खा ही सकती हूँ। चींटी डर गई...भाग कर राजा के पास पहुंची। राजा ने फौरन बढ़ई को बुलाया उससे कहा कि पेड़ काट दो नहीं तो सजा दूंगा। बढ़ई को देखते ही पेड़ बिलबिला उठा कि मुझे मत काटो। मैं चिड़िया को दाना लौटा दूंगा...! अंत में चिड़िया ने अपना दाना पेड़ से प्राप्त कर लिया और वो खुशी खुशी अपने घोंसले में चली गई।

अंतर्मन

आज की पाती

घुसपैठ पर निर्णायक प्रहार का समय

भारत की सीमाओं की सुरक्षा केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की संप्रभुता और आंतरिक स्थिरता से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण विषय है। लंबे समय से बांग्लादेश और म्यांमार की सीमाओं से होने वाली अवैध घुसपैठ देश के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। यह समस्या केवल अवैध रूप से देश में प्रवेश करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ फर्जी दस्तावेज, मानव तस्करी, हवाला, नशीले पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का जाल भी जुड़ जाता है। इसलिए इस चुनौती से निपटने के लिए अब आधे-अधूरे नहीं, बल्कि निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है। केंद्र सरकार द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय बदलावों का अध्ययन कराना, सीमा पर बाड़ लगाने की गति तेज करना और घुसपैठ रोकने के उपायों की समीक्षा बढ़िया कदम हैं। - *प्रतीक साहू दुर्ग*

ट्रेंड

युवा इतिहास रच रहे

युवा आज इतिहास रच रहे हैं। नए स्टार्टअप अंतरिक्ष तक पहुंचे हैं। मुझे बताया गया कि स्काईरूट कंपनी की जिस टीम ने यह कारनामा कर दिखाया है। उनकी औसत उम्र 28 साल है। हालांकि मैं किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा। **-नरेंद्र मोदी,** पीएम

बटुकेश्वर दत्त को नमन

महान स्वाधीनता सेनानी एवं अमर क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उन्होंने भगत सिंह जी के साथ केंद्रीय विधानसभा में बम फेंककर अंग्रेजों के अन्याय के विरुद्ध पूरे देश में आजादी की अलख जलाई। कठोर यातनाएँ सहकर भी स्वाधीनता के संकल्प को अडिग रखा। **-अमित शाह,** गृहमंत्री

पीएम मोदी युवा विरोधी

प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री हैं। वह इतने युवा-विरोधी हैं कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते। 152 पेपर लीक की घटनाओं से 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए, लेकिन किसी दोषी को सजा नहीं मिली। **-राहुल गांधी,** नेता विपक्ष

हमारी मांग स्पष्ट

हमारी मांग स्पष्ट है, जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। यह हमारी जायज मांग है और हमारा वैध अधिकार है। हम इस मुद्दे को लेकर पूरी तरह से गंभीर हैं। केंद्र सरकार को हमारी मांग पूरी करनी होगी। **-फारूक अब्दुल्ला,** पूर्व सीएम, जम्मू-कश्मीर

करंट अफेयर

कांगो में इबोला के प्रकोप से अब तक 930 लोगों की मौत

कांगो में इबोला के प्रकोप से कम से कम 930 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 37 लोगों की मौत शुक्रवार से शनिवार के बीच 24 घंटे के दौरान हुई। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शनिवार तक इबोला के 2,344 मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें से 930 मरीजों की मौत हो चुकी है। पूर्वी कांगो में इबोला के प्रकोप की घोषणा 15 मई को की गई थी। यह रिकॉर्ड में, सबसे तेजी से फैलने वाला इबोला प्रकोप बन गया है। इस प्रकोप के लिए जिम्मेदार बंडिबुग्यो वायरस, इबोला बीमारी फैलाने वाले अन्य वायरस की तुलना में कम पाया जाता है

ऑफ बीट

ग्रीक फायर: रोमन साम्राज्य का सबसे विनाशकारी हथियार

आधुनिक काल के सामूहिक विनाश के हथियारों से बहुत पहले एक ऐसा हथियार था, जिसे 'ग्रीक फायर' (इग्निस ग्रेकस) के नाम से जाना जाता है। ग्रीक फायर का सूत्र इतना गोपनीय रखा गया था कि 1453 में बीजान्टिन साम्राज्य के ओटोमन साम्राज्य के हाथों पतन के साथ ही इसका रहस्य भी हमेशा के लिए खो गया। तब से लेकर आज तक अनेक रसायनविद, इतिहासकार, वैज्ञानिक और प्रायोगिक पुरातत्वविद इस रहस्यमयी हथियार का वास्तविक सूत्र जानने की कोशिश करते रहे हैं। ग्रीक फायर एक ज्वलनशील तरल पदार्थ था

संक्षेप

किसान की हत्या,सगे भाई, भतीजे समेत 3 गिरफ्तार

चाकू-हॉकी बरामद

अमेठी , मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र में खेत से लौट रहे किसान की हत्या के मामले में पुलिस ने सगे भाई, भतीजे समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू और टूटी हुई हॉकी भी बरामद की है। रास्ते में घात लगाकर किया गया था हमला घटना रविवार रात मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र में हुई थी। खेत से घर लौट रहे किसान पर घात लगाकर बैठे हमलावरों ने धारदार हथियार और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण किसान की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मृतक के बड़े भाई, उसके बेटे और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था।मुखबिर की सूचना पर तीन आरोपी गिरफ्तार पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत मुसाफिरखाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मंगलवार सुबह तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गया प्रसाद चौहान (60) पुत्र स्वर्गीय रामनरेश चौहान, दीपक चौहान (20) पुत्र गया प्रसाद चौहान और विरई उर्फ तेजवीर सरोज (20) पुत्र जगुनाथ निवासी ग्राम भद्दौर, थाना मुसाफिरखाना के रूप में हुई है चाकू और टूटी हॉकी बरामद पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया एक चाकू और एक टूटी हुई हॉकी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। अन्य मामलों में भी हो रही पूछताछ गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक विवेक कुमार सिंह, उपनिरीक्षक गोपाल मणि मिश्रा, हेड कांस्टेबल अमित यादव समेत कुल नौ पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से अन्य आपराधिक मामलों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद सभी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

जायस में बेकाबू ट्रक दो दुकानों में घुसा

रायबरेली-सुल्तानपुर मार्ग पर देर रात हुआ हादसा, एसपी बोले- तेजमोड़ पर लगेंगे बोर्ड-स्पीड ब्रेकर

अमेठी , जायस कस्बे में रायबरेली-सुल्तानपुर मार्ग पर सोमवार देर रात करीब 11 बजे एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित अंडे की दुकान और एक अन्य दुकान में जा घुसा। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन दोनों दुकानों को काफी नुकसान पहुंचा। घटना के बाद मंगलवार सुबह पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. मौके पर पहुंचे और दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. ने जायस थाना क्षेत्र में दुर्घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क की संरचना, मोड़ की स्थिति और यातायात व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों से बातचीत कर दुर्घटना के कारणों और उनकी समस्याओं की जानकारी भी ली तेज मोड़ बना हादसों की वजहनिरीक्षण के बाद एसपी ने कहा कि इस स्थान पर तीव्र मोड़ और वाहनों की तेज रफ्तार के कारण लगातार दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

बाल श्रम के विरुद्ध मोनालिसा जौहरी की कड़ी कार्रवाई, 9 बच्चे कराए गए मुक्त

एसडीएम की कार्रवाई से बाल श्रम कराने वालों में मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी के नेतृत्व में तहसील प्रशासन नानपारा द्वारा नानपारा नगर क्षेत्र में बाल श्रम के विरूद्ध सघन छापामारी अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान 9 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया गया, जबकि 7 प्रतिष्ठान संचालकों के विरुद्ध बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 (संशोधित-2016) के तहत विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई। एसडीएम श्रीमती जौहरी ने बताया कि राजस्व विभाग, श्रम विभाग, पुलिस विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई व रोज संस्थान की संयुक्त टीम द्वारा शिवपुर रोड, बाईपास चौराहा तथा नगर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में स्थित ऑटो सर्विस सेंटर, वेल्डिंग वर्क्स, प्रोविजन स्टोर, वस्त्रालय एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई स्थानों पर नाबालिग बच्चों से कार्य कराए जाने की पुष्टि होने पर उन्हें तत्काल श्रम से मुक्त कराया गया और संबंधित नियोक्ताओं को नोटिस जारी करते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।छापामारी की कार्यवाही के दौरान एसडीएम द्वारा लोगों को जागरूक किया गया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से किसी भी व्यवसाय में कार्य कराना पूर्णतः प्रतिबंधित है तथा 14 से 18 वर्ष आयु के किशोरों से खतरनाक कार्य कराना भी कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में दोषी नियोक्ताओं के विरुद्ध जुमार्ना एवं कारावास का प्रावधान है। उन्होंने व्यापारियों एवं व्यवसायियों से अपील की कि बच्चों से कदापि मजदूरी न करायें बल्कि उन्हें विद्यालय भेंजे क्योकि बच्चों के हाथों में औजार नहीं पुस्तक होनी चाहिए। प्रशासन का उद्देश्य मात्र कार्रवाई करना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक बचपन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान निरन्तरता के साथ संचालित होते रहेंगे।

विधायक अनुपमा जायसवाल के हाथों टूल किट पाकर खुश हुए लाभार्थी

लाभार्थियों को वितरित किये गये टूलकिट व प्रमाण-पत्र

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। लोगों को स्वर रोजगार से जोड़कर स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार द्वारा की जा रही पहल से लोग जुड़ रहे हैं और उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए प्रशिक्षण देखा है टूल किट भी प्रदान किया जा रहा है। जिला उद्योग केन्द्र परिसर में आयोजित टूल किट एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह के दौरान मुख्य अतिथि विधायक सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल ने ब्लाक प्रमुख जमुनहा शिवम जायसवाल के साथ लाभार्थियों को टूल किट एवं प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया। समारोह के दौरान विधायक सदर ने उद्योग विभाग द्वारा संचालित विश्वकर्मा विश्व श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत ट्रेड दर्जी हेतु 150 एवं हलवाई ट्रेड हेतु 60 तथा एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट वितरण योजना के अन्तर्गत गेहूँ के डण्ठल से बनी कलाकृतियों हेतु 40 लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं टूल किट वितरित किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्रीमती जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा उद्योग विभाग अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य यही है कि प्रदेश के युवा विभिन्न ट्रेडों अन्तर्गत दक्ष होकर प्राप्त होने वाले टूल किट के माध्यम से स्वयं स्वावलम्बी बनकर दूसरे लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर उपलब्ध करायें। श्रीमती जायसवाल ने कहा कि यहां पर आये लाभार्थियों के चेहरे की मुस्कान बता रही है कि वे दृढ़.इच्छा शक्ति के साथ आगे बढ़ेंगे और अपने परिवार के साथ-साथ जनपद, प्रदेश व देश के आर्थिक विकास सहयोग प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के अन्त में उपायुक्त उद्योग केशव राम वर्मा द्वारा सभी उपस्थित लोगों का आभार ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि कन्हैया सोनी तथा सुनील श्रीवास्तव सहित उद्योग विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी तथा बड़ी संख्या लाभार्थी मौजूद रहे।

आर्म्स एक्ट के वांछित अभियुक्त को पुलिस ने दबोचा, तलवार बरामद

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। थाना रूपईडीहा पुलिस ने आर्म्स एक्ट के मुकदमे में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध तलवार बरामद की है। आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी तथा क्षेत्राधिकारी नानपारा चित्रांश गौतम के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हरेन्द्र कुमार मिश्रा के नेतृत्व में थाना रूपईडीहा पुलिस टीम को यह सफलता मिली।पुलिस के अनुसार 22 जुलाई की देर रात बसभरिया (चिलबिला मार्ग) पर नहर के पास बनी पुलिया से कल्लू पुत्र अलाउद्दीन, निवासी बसभरिया, दा0 कलवारी, थाना रूपईडीहा, जनपद बहराइच (उम्र लगभग 48 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध तलवार बरामद हुई। बरामदगी के आधार पर थाना रूपईडीहा में आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक हरेन्द्र कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक भीम सिंह, हेड कांस्टेबल नरेन्द्र गुप्ता, कांस्टेबल सुनील कुमार एवं कांस्टेबल मो. तनवीर शामिल रहे।

दबंगों ने दिनदहाड़े युवक को पीटकर किया मरणासन्न हालत गंभीर

थाना मोतीपुर के गूढ़ टेपरी गांव का मामला

पीड़ित ने थाना मोतीपुर में तहरीर देकर न्याय की लगाई गुहार

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। दबंगों ने एक बार फिर पुलिस को चुनौती देते हुए दिनदहाड़े भाई बहन पर हमला कर पिटाई कर दी जिससे भाई की हालत गंभीर बनी हुई है उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है जहां पर इलाज चल रहा है। वही बहन को मामूली चोट आई है।

थाना मोतीपुर क्षेत्र के चौकी जालिम नगर अंतर्गत ग्राम पंचायत गूढ़ टेपरी निवासी शिव कुमारी जायसवाल ने थाना मोतीपुर में तहरीर देते हुए बताया कि गुरुवार सुबह 10 बजे मैं गूढ़ चौराहे पर स्थित अपनी दुकान की साफ सफाई कर रही थी इसी बीच विपक्षी गण सोमनाथ पांडे पुत्र धर्मेंद्र पांडे, बबलू उर्फ योगेश पांडे पुत्र चिंतामणि पांडे ,अमरनाथ पांडे पुत्र धर्मेंद्र पांडे ,राम प्रताप अवस्थी पुत्र छोटेलाल निवासीगण गूढ़। इन चारों व्यक्तियों ने पुरानी रंजिश को लेकर गाली गलौज देने लगे और मारपीट शुरू कर दी बचाव करने आए हमारे सगे भाई दीपक को भी लात घूसों व लाठी डंडों से बुरी तरह पिटाई शुरू कर दिया चीख पुकार पर पास पड़ोस के लोग दौड़े तब दबंग जान माल की धमकी देते हुए फरार हो गए। मरणासन्न अवस्था में दीपक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिहींपुरवा पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। आरोप है कि 15 व 16 जुलाई को दीपक के खेत में लगे पेड़ को विपक्षी ने बेच दिया था और पेड़ काटे जाने की सूचना जब दीपक को मिली तो दीपक ने विरोध किया था मामला जालिम नगर चौकी पर गया था जहां दोनों लोग सेमल के काटे गए पेड़ पर अधिकार जाता रहे थे अभी मामला फाइनल नहीं हुआ था इसी बीच गुरुवार को विपक्षी दबंगों ने दीपक पर हमला कर उसे मरणासन्न कर दिया था जिसका इलाज चल रहा है।

प्रभारी निरीक्षक मोतीपुर ब्रह्मा गोंड ने बताया कि पुरानी रंजिश में मारपीट हुई है। पुलिस जांच में जुट गई है पीड़ित ने तहरीर दी है मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

सरयू किनारे काटन की जद में दो ग्रामीणों के मकान, मांगी मदद

रामपुर ककरी नानपारा मार्ग पर स्थित गढ़ीघाट पुल के नीचे मुख्य रास्ते को छूने के लिए बेताब है सरयू नदी

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। बहराइच जिले के शिवपुर विकासखंड में सरयू नदी का कटान जारी है। रामपुर गढ़ीघाट ककरी नानपारा मार्ग पर स्थित गढ़ीघाट पुल के पास नदी के तेज बहाव के कारण दो ग्रामीणों के मकान और मुख्य मार्ग खतरे की जद में आ गए हैं। ग्राम पंचायत नेवादा पूरे कस्बाती के मजरा गढ़ीघाट निवासी रमकला देवी व देवीप्रसाद ने बुधवार शाम अपनी परेशानी बताई। उन्होंने कहा कि उनके मकान सरयू नदी के कटान क्षेत्र में हैं और यदि इस बार बाढ़ आती है, तो उनके घर निश्चित रूप से नदी में समाहित हो जाएंगे।पीड़ितों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और राहत प्रदान करने की अपील की है, ताकि वे किसी सुरक्षित स्थान पर विस्थापित हो सकें। ग्रामीणों ने यह भी सुझाव दिया कि यदि सरयू नदी को सीधे पुल में मोड़ा जाए, तो शायद उनके मकान बच सकते हैं। हालांकि, सरयू नदी को सीधा करने के लिए पिछले दो बरसात के मौसम से कार्य किया गया है। लेकिन अब तक बाढ़ प्रभाव को रोकने हेतु नदी किनारे लगाए गए स्टोन बोल्डर से ऊपर होकर बह रही है और मुख्य मार्ग को भी छूने के लिए बेताब है।यदि मुख्य मार्ग कटान की चपेट में आता है, तो दर्जनों बाढ़ प्रभावित ग्राम पंचायतों के लोगों को तहसील मुख्यालय नानपारा पहुंचने के लिए 15 किलोमीटर की जगह 35 किलोमीटर का लंबा रास्ता तय करना पड़ेगा, जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। अतएव समय रहते शासन प्रशासन को इस ओर अपना ध्यान आकर्षित करना होगा।

खराब बिजली व्यवस्था के खिलाफ लामबंद हुए ग्रामीण, कटा हंगामा

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। खराब बिजली व्यवस्था के विरोध में लामबद्ध हुए ग्रामीण, बंद किया बाजार, मौके पर पहुंची खैरीघाट पुलिस व विद्युत विभाग की टीम,विरोध में बंद रहा बाजार,लाखों का नुकसान।

खबर जिले के शिवपुर बाजार से है जहाँ बीते एक सप्ताह से खराब बिजली व्यवस्था से आहत सैकड़ों लोगों ने बाजार बंद कर जमकर हंगामा काटा। विद्युत विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान नदी पार कर रोजमर्रा की वस्तु लेने आए लोग निराश होकर बैरंग वापस लौट गए। सूचना पर उप निरीक्षक राम प्रवेश यादव पुलिस टीम के साथ पहुंचे। शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। हंगामा की सूचना मिलने पर उप खंड अधिकारी नानपारा मोहम्मद तंजीम और मटेरा व रिसिया उप खंड अधिकारी रमेश मौर्या, जेई ललित कुमार टीम के साथ पहुंचे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने टीम को घेर लिया। और तीखी नोक झोक शुरू हो गई। उप खंड अधिकारी ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को अस्वस्थ करते हुए विद्युत व्यवस्था बहाल करने की बात कही। बाजार वासियों ने बताया कि पूरा दिन बाजार बंद होने से करीब एक करोड़ का व्यापार प्रभावित हुआ।

मौके पर ही रुक कर उप खंड अधिकारी ने पूरे बाजार की लाइन सही करवाई। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर यज्ञसैनी, मुकेश शुक्ला, ग्राम प्रधान अर्पित यज्ञसैनी, अरविंद जायसवाल, चंदन, सुरेश, राजेंद्र, बबलू, उर्मिलेश आदि लोगों ने उप खंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जर्जर तार को बदलने, लाइनमैन के व्यवहार में सुधार करने, तथा एसएसओ के द्वारा फोन न उठाने की शिकायत दर्ज कराई। उप खंड अधिकारी मोहम्मद तंजीम ने बताया कि तत्काल 200 मीटर केबल बदल कर विद्युत व्यवस्था बहाल की गई है। दो पोल लगाने की जरूरत है। वह जल्द लगवा दिया जाएगा।300 मीटर और केबल की सिफारिश उच्च अधिकारियों से की जाएगी।

बधिर संगठन के पदाधिकारी ने एसपी से की शिष्टाचार भेंट

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। देवीपाटन मंडल बधिर कल्याण संघ के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव से शिष्टाचार मुलाकात कर पुष्प गुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दी तथा क्षेत्राधिकारी यातायात ट्रैफिक की नियुक्ति हेतु मांग पत्र भी सौंपा साथ ही बधिर समुदाय के प्रमाण पत्र वितरण समारोह की तिथि तय करने का भी अनुरोध किया गया। पुलिस अधीक्षक ने संघ की समस्या ध्यान पूर्वक सुनी और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस मौके पर संगठन के सलाहकार सदस्य वरुण कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष अमिष कुमार सिन्हा ,सदस्य सचित कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

डीएम व एसपी ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार / संतोष मिश्रा

बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का निरीक्षण कर कारागार प्रशासन द्वारा बन्दियों को मुहैय्या करायी जा रही सुविधाओं व कारागार की साफ-सफाई आदि का जायजा लिया। विशेष रूप से डीएम व एसपी ने भण्डारण, बैरीकेटिंग, निर्माण कार्य व पाकशाला का निरीक्षण कर बन्दियों के लिए तैयार किये जा भोजन की गुणवत्ता को परखा। कारागार के निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई व अन्य व्यवस्थाएं संतोषजनक पायी गयी। इस अवसर पर करागार अधीक्षक राजीव कुमार सिंह, जेलर अजय कुमार झा, डिप्टी जेलर रंजीत सिंह, हरिओम गौड़ व अंजू शर्मा व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

कार की टक्कर से दो बाइकों की भिड़ंत, मासूम सहित तीन चोटिल

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जनपद के खैरीघाट थाना अंतर्गत चौकी वैवाही क्षेत्र के रामपुर धोबिया - वैवाही मार्ग पर गुरुवार शाम एक अनियंत्रित कार ने दो मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक मासूम बच्चे सहित तीन लोग घायल हो गए।

यह घटना गुरुवार को लगभग 06 बजे शाम को सेवा अल्ट्रासाउंड के पास हुई। वैवाही की ओर से आ रही कार (यूपी 32 एनएम 8173) अनियंत्रित होकर पहले रामपुर की ओर जा रही मोटरसाइकिल (पीबी 46 आर 8946) से टकराई। इसके बाद, कार ने वैवाही की ओर से आ रही एक और मोटरसाइकिल (यूपी 40 बीएफ 3655) को टक्कर मार दी।

हादसे में खैरीघाट थाना क्षेत्र के बख्तावरपुरवा निवासी एक महिला और एक मासूम बच्चा घायल हो गए। दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार वैवाही के चहलुआ निवासी पतिराम को भी हल्की चोटें आई हैं।राहगीरों की मदद से कार चालक ने सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

इस संबंध में वैवाही चौकी इंचार्ज शशि प्रताप ने बताया कि उन्हें अभी तक घटना की जानकारी नहीं मिली है। सूचना प्राप्त होने पर नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

म्यूल अकाउंट साइबर गिरोह का भंडाफोड़

दिल्ली के सूरगना सहित तीन आरोपी गिरफ्तार, डिजिटल साक्ष्य बरामद

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, पुलिस ने देशभर में सक्रिय म्यूल अकाउंट आधारित साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। उदयपुर थाना पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने दिल्ली निवासी गिरोह के सरगना सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में बैंकिंग दस्तावेज, एटीएम कार्ड, मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद हुए हैं। पुलिस अब बरामद डिजिटल साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच कर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। एसपी के आदेश पर हुई कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देश पर चलाए जा रहे साइबर अपराध विरोधी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। समन्वय पोर्टल और एसडीआर रिपोर्ट के तकनीकी विश्लेषण के दौरान बैंक ऑफ इंडिया, राजापुर शाखा के दो बैंक खाते संदिग्ध पाए गए। जांच में सामने आया कि इन खातों के खिलाफ गुजरात और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से कुल 11 साइबर धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज थीं। इन खातों का उपयोग ऑनलाइन ठगी की रकम को ट्रांसफर करने के लिए किया जा रहा था।गिरोह, आर्थिक लालच देकर बैंक खाते खुलवाता थापूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह का संचालन दिल्ली निवासी मनीष करता था। यह गिरोह ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आर्थिक लालच देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाता था। इसके बाद एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक और यूपीआई क्यूआर कोड किराए पर लेकर साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराए जाते थे।

जौहर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई के विरोध में सपा का प्रदर्शन

प्रतापगढ़ में खून से लिखा ज्ञापन सौंपा, सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ ,समाजवादी पार्टी ने जौहर यूनिवर्सिटी पर संभावित प्रशासनिक कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कार्रवाई रोकने की मांग की। इस दौरान सपा नेता साजिद अली ने खून से लिखा ज्ञापन देकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के बाद सपा कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। इस दौरान, मुलायम यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष साजिद अली ने अपने खून से लिखा ज्ञापन अधिकारियों को देकर अपना विरोध दर्ज कराया। जिलाध्यक्ष साजिद अली ने आरोप लगाया कि सरकार नक्शे को आधार बनाकर जौहर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई की तैयारी कर रही है। उन्होंने तर्क दिया कि प्रदेश में अनेक इमारतें बिना नक्शे के संचालित हो रही हैं, और यदि इसी आधार पर कार्रवाई की गई तो पूरे प्रदेश की तमाम इमारतों पर भी कार्रवाई करनी पड़ेगी। साजिद अली ने यह भी कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं के लिए शिक्षा का केंद्र है। उन्होंने सरकार से इस संस्थान पर किसी भी प्रकार की बुलडोजर कार्रवाई से बचने का आग्रह किया सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर कार्रवाई की गई।

संक्षेप

पुलिस ने 5 पशु तस्करों को पकड़ा

दो कैंटर से 28 पशु बरामद, गाजियाबाद ले जा रहे थे

बागपत , शहर कोतवाली पुलिस ने बुधवार शाम चेकिंग अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच पशु तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दो कैंटरों से क्रूरतापूर्वक भरे गए 28 पशु बरामद किए हैं। मामले में आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि पशुओं को तस्करी के लिए बागपत से गाजियाबाद ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस ने मवीकला गांव के पास घेराबंदी कर दो संदिग्ध कैंटरों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर दोनों वाहनों के चालक भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रखवीर पुत्र मदनलाल निवासी हरियाणा तथा जावेद, वजीर, आरिफ और अनस निवासी जनपद बागपत के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो कैंटर और 28 पशु बरामद किए हैं, जिन्हें कथित तौर पर तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था। शहर कोतवाली प्रभारी मनोज चहल ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद पशुओं को सुरक्षित कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि पशुओं की तस्करी के इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच जारी है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्ट्रेट पर किसानों का प्रदर्शन

भूमि अधिग्रहण मुआवजे, बिजली कटौती पर सौंपा ज्ञापन

बागपत , भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने मंगलवार को बागपत कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने भूमि अधिग्रहण के उचित मुआवजे और बिजली कटौती सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पर ज्ञापन सौंपा। सुबह करीब 11 बजे भाकियू कार्यकर्ता और पदाधिकारी डीएम कार्यालय पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। किसानों ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर यह प्रदर्शन सभी जिला मुख्यालयों पर किया गया है। बागपत में चांदीनगर के 12 गांवों की भूमि अधिग्रहण योजना चल रही है, लेकिन अभी तक सर्किल रेट नहीं बढ़ाया गया है। किसानों पर जमीन देने का दबाव बनाया जा रहा है। किसानों ने मांग की कि इस मामले को तुरंत सुलझाया जाए और उन्हें बढ़े हुए सर्किल रेट के हिसाब से ही जमीन का मुआवजा मिलना चाहिए। बिजली कटौती को लेकर भी किसानों ने जोरदार हंगामा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार बिजली बिल में वृद्धि हो रही है, लेकिन बिजली कटौती और किसानों की विद्युत संबंधित समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। किसान अपनी समस्याओं को लेकर अधिकारियों के समक्ष करीब 5 घंटे तक धरने पर बैठे रहे। शाम लगभग 4 बजे धरना समाप्त किया गया। किसान नेता विनोद चौधरी और प्रदीप धामा ने बताया कि यह धरना प्रदर्शन किसानों की समस्याओं को लेकर किया गया है।

आजाद पार्क में नागरिक समाज का प्रदर्शन

न्याय और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग, दिल्ली में छात्रों पर कार्रवाई के विरोध में उठी आवाज

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , प्रयागराज में चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर आजाद पार्क के गेट नंबर 2 पर गुरूवार को नागरिक समाज की ओर से दिल्ली में छात्रों पर हुई कथित बर्बरता के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन कर रहें लोगों ने छात्र आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए जिम्मेदारों पर कार्रवाई और छात्रों के साथ न्याय की मांग उठाई। हाथ में पोस्टर लेकर छात्रों ने नारेबाजी की। इस मौके पर लोगों ने कहा कि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ जो व्यवहार किया गया, वह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने इसे दमनकारी कार्रवाई बताते हुए कहा कि शांतिपूर्ण विरोध को बल प्रयोग से दबाया नहीं जा सकता। सहसयोंजक मनीष सिन्हा धरने में शामिल लोगों ने चंद्रशेखर आजाद की जयंती को प्रतिरोध और संघर्ष के प्रतीक के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि आजाद के विचार आज भी युवाओं को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा देते हैं। छात्र अपने अधिकारों और भविष्य के लिए लड़ रहे हैं, इसलिए उन पर लाठीचार्ज और दमन स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह छात्रों की बात सुने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करे। धरना स्थल पर मौजूद लोगों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि लोकतंत्र में असहमति को कुचलने की कोशिशें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उनका कहना था कि जब तक छात्रों पर हुई कार्रवाई के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक विरोध जारी रहेगा। सभा में यह संदेश दिया गया कि पेपर लीक और दमन के खिलाफ यह आंदोलन सिर्फ एक परीक्षा का नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य और लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई है उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं ने पेपर लीक के खिलाफ आवाज उठाई और अपने अधिकारों की बात की, लेकिन सरकार ने उनकी बात सुनने के बजाय दमन का रास्ता चुना। उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी की सरकार और अमित शाह की दिल्ली पुलिस ने छोटे-छोटे बच्चों को लाठियों से पीटा आज एक बच्ची दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में वेंटिलेटर पर जिंदगी की लड़ाई लड़ रही है

पेपर लीक-छात्रों के दमन के खिलाफ प्रदर्शन

छात्रों ने कहा- शिक्षा मंत्री और गृहमंत्री से इस्तीफा दें, पीएम चुप्पी तोड़ें

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , पेपर लीक के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन पर कथित बर्बर दमन के विरोध में गुरूवार को प्रयागराज के पत्थर गिरजाघर धरना स्थल पर छात्र संगठनों ने प्रदर्शन किया। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन, इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाईए), ऐक्टू और भाकपा-माले की ओर से आयोजित इस विरोध सभा में आंदोलन कर रहे छात्रों ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन कर रहे छात्र संगठन का कहना है कि देशभर के छात्र-नौजवान पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर गुस्से में हैं। सरकार छात्रों के सवालों पर जवाबदेही लेने को तैयार नहीं है। आंदोलन को कुचलने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने लाठियों में कीलें ठोककर हमला किया, बिजली के झटकों का इस्तेमाल किया और कई प्रदर्शनकारियों, यहां तक कि बच्चों तक को निशाना बनाया गया। प्रदर्शन कर रहे छात्रा सोनिया ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग दोहराई और कहा कि पेपर लीक की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए । उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से भी इस्तीफा देने की मांग की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चुप्पी तोड़कर सार्वजनिक माफी मांगने को कहा। जब तक जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को शेमफुल बताते हुए उसकी कड़ी निंदा की।

सिपाही बोला- बहुत परेशान हूं, त्यागपत्र देना चाहता हूं

मेरठ में सोशल मीडिया पर वायरल लेटर से खलबली, सिपाही बोला- किसी ने मजाक किया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,तैनात यूपी पुलिस के एक सिपाही के सोशल मीडिया पर वायरल लेटर ने महकमें में खलबली मचा दी। लेटर में सिपाही थाने के मुंशी पर गंभीर आरोप लगता है और परेशान होकर नौकरी से त्यागपत्र देने की पेशकश कर डालता है। मामला अफसरों तक पहुंचा तो जांच शुरू हो गई। कुछ देर बाद ही खुलासा हो गया कि यह पत्र किसी शरारती तत्व द्वारा सिपाही के नाम से लिखकर वायरल किया गया है। वायरल लेटर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेरठ के नाम संबोधित है जो किसी शैलेंद्र कुमार के द्वारा लिखा गया था। लेटर की माने तो शीलेन्द्र दौराला थाने में तैनात है। बाकायदा नाम के ऊपर साइन भी किए गए हैं। खास बात यह है कि लेटर ज्यादा पुराना नहीं है। तीन दिन पहले ही यह लिखा गया था।

मुंशी पर लगाया परेशान करने का आरोप

लेटर में शीलेन्द्र ने खुद के दौराला थाने में तैनात होने की पुष्टि की है। पूरा लेटर दौराला थाने में तैनात मुंशी से जुड़ा है। मुंशी पर परेशान करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह भी कहा गया है कि काफी कुछ शिकायतें उसके मन में है, जिन्हें वह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के सामने पहुंचकर ही स्पष्ट करेगा। अब जानिए क्या लिखा है लेटर मेंनिवेदन इस प्रकार है मैं शीलेन्द्र कुमार शर्मा फउ 3763 इस समय में थाना दौराला में तैनात हूं। मेरी रवानगी एक अज्ञात शव के साथ हुई थी। लेकिन अब मुझे मुंशी बोलते हैं शव छोड़ो, वापस वीआईपी ड्यूटी में आओ या कुछ सोच लो।

अखिलेश यादव की गिरफ्तारी का मेरठ में विरोध प्रदर्श प्रदर्शन

सपा नेताओं ने ज्ञापन सौंप विपक्ष की आवाज दबाने का लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में मेरठ के समाजवादी पार्टी नेताओं ने देर शाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की कड़ी निंदा की। ज्ञापन के माध्यम से पार्टी नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की आवाज का सम्मान किया जाना चाहिए और किसी भी प्रकार की कार्रवाई कानून एवं संविधान की मयार्दा के अनुरूप, निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए। इसके साथ ही सपा नेताओं द्वारा मांग की गई कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हर परिस्थिति में बनी रहे। नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन किसी भी कार्रवाई में संवैधानिक प्रक्रियाओं और निष्पक्षता का पालन आवश्यक है। पार्टी नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि मामले का निष्पक्ष परीक्षण कराया जाए और लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका एवं संवैधानिक अधिकारों का पूरा सम्मान सुनिश्चित किया जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान सपा कार्यकताओं ने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के पक्ष में अपनी आवाज बुलंद की। यह ज्ञापन समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव विपिन चौधरी के नेतृत्व में सौंपा गया। इस दौरान जिला अध्यक्ष कर्मवीर गुमी, जीतू सिंह नागपाल, डॉ. संदीप,शैंकी वर्मा, धर्मेंद्र चपराना सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डिफेंस की वकील बोलीं- सीमेंट, रेत का बिल कहां है

सौरभ हत्याकांड में जिरह जारी, सीमेंट-रेत, चाकू विक्रेता को लेकर पूछे सवाल, बुधवार की तारीख

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , चर्चित सौरभ हत्याकांड में जिरह जारी है। डिफेंस की वकील ने गवाहों से जुड़ी पुलिस कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना था कि पुलिस ने जिन लोगों से रेत, सीमेंट, चाकू, दवा खरीदना बताया है, उनसे जुड़ा कोई साक्ष्य अथवा सीसीटीवी कैमरे का फुटेज कोर्ट को उपलब्ध नहीं कराया है। अगली सुनवाई बुधवार को होगी।मेरठ के ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में 3 मार्च, 2025 को दिल दहला देने वाली वारदात हुई। यहां मर्चेंट नेवी अफसर सौरभ राजपूत की निर्मम हत्या कर उसके शव को कई टुकड़ों में बाटकर नीले ड्रम में भरते हुए सीमेंट के घोल से जमा दिया गया। दरअसल, सौरभ लंदन में था और वह मौत से एक माह पहले ही अपनी बेटी पीहू का जन्म दिन मनाने के लिए घर लौटा था। हत्या सौरभ की पत्नी मुस्कान रस्तौगी ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर की थी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने दोनों को सलाखों के पीछे भेज दिया।

केस में फाइनल बहस जारी

सौरभ हत्याकांड में इन दिनों जिला जज की कोर्ट में फाइनल बहस चल रही है। अभी तक सौरभ की तरफ से सरकारी अधिवक्ता (फौजदारी) केके चौबे केस में जिरह करते हुए अपना पक्ष रखते आ रहे थे।उनकी प्राइमरी आगुर्मेंट पूरी हो गई। इसमें सौरभ के निजी अधिवक्ता विजय बहादुर सिंह भी जिरह कर चुके हैं। हालांकि उन्हें बचाव पक्ष की वकील रेखा जैन के बाद भी पक्ष रखने का मौका मिलेगा, जिसको लेकर वह तैयारी कर रहे हैं।

उनका कहना है कि यह केस समाज के लिए नजीर बनेगा।

पुलिस से भिड़े किसान, धक्का-मुक्की कर बैरिकेडिंग तोड़ी

अमेरिका से ट्रेड डील का विरोध करने दिल्ली जा रहे थे

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद ,पुलिस और किसानों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। दोपहर करीब 1 बजे किसान दिल्ली की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर पर बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया।किसान आगे बढ़ने की जिद पर अड़ गए और बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करने लगे। इस दौरान किसानों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। 20 मिनट तक मौके पर गहमा-गहमी का माहौल रहा। बाद में अधिकारियों ने किसानों को शांत कराया।भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में देशभर के किसानों ने मंगलवार को दिल्ली के किसान घाट तक कूच का ऐलान किया था।इसी प्रदर्शन में शामिल होने यूपी के किसान भी दिल्ली जा रहे थे। इसे देखते हुए दिल्ली-यूपी के गाजीपुर बॉर्डर पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस किसानों को आगे बढ़ने नहीं दे रही है।एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर/ट्रैफिक राज करन नैयर ने बताया- दिल्ली से सटे यूपी गेट और लोनी समेत 6 बॉर्डर हैं। सभी पॉइंट पर अलग-अलग पुलिस फोर्स तैनात की गई है। यातायात व्यवस्था बाधित न हो, इसलिए यातायात को सुचारू तरह से चलाया जा रहा है। जो किसान आए थे, उन्हें भी समझा-बुझाकर कुछ देर बाद वापस गाड़ियों से भेज दिया गया। यूपी गेट और अलग-अलग स्थानों पर पुलिस के 700 जवान तैनात किए गए हैं। ट्रैफिक व्यवस्था के लिए एक एसीपी, 3 इंस्पेक्टर और एक एडिशनल डीसीपी को अलग से जिम्मेदारी दी गई है।

2000 से अधिक किसानों ने कलेक्ट्रेट घेरा

बोले- जब तक डीएम नहीं आएंगे तब तक धरना जारी रहेगा, 6 घंटे बाद ज्ञापन लिया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,अपनी लंबित मांगों को लेकर किसानों ने कलेक्ट्रेट में 6 घंटे तक प्रदर्शन किया। डीएम ने किसानों से बात की। डीएम के आश्वासन के बाद धरना खत्म कर दिया गया। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर एडीएम सिटी ब्रजेश सिंह को ज्ञापन दिया। किसान नेताओं ने कहा कि अब 1 सितंबर को कमिश्नरी पर संगठन द्वारा महापंचायत की जाएगी। जिसमें अफसरों से पूछा जाएगा कि किसानों की कितनी मांगों पर अमल हुआ। इससे पहले सुबह करीब सवा 11 बजे करीब 2000 किसान अभी कमिश्नर आफिस के बाहर पहुंच गए। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए कमिश्नर ऑफिस के मेन गेट पर ताला लगवा दिया। करीब साढ़े 12 बजे भाकियू टिकैत संगठन के जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी ने धरने के दौरान प्रशासन को चेतावनी दी। कहा- तानाशाह अधिकारियों के लिए खुली चेतावनी है। हम यहां 2 घंटे से धरने पर हैं और कोई ध्यान नहीं दे रहा है। अगर 10 मिनट में कमिश्नर ने ज्ञापन स्वीकार नहीं किया। नहीं तो किसके गेट टूटेंगे और क्या होगा नहीं पता। हालांकि थोड़ी देर में ही कमिश्नर के प्रतिनिधि पहुंचे और किसानों ने उन्हें ज्ञापन सौंप दिया। इसके बाद वहां से 500 मीटर दूर हाथों में ज्वार की फसल लेकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां अपने ट्रैक्टर खड़े करके धरने पर बैठ गए।किसानों ने कहा- जब तक डीएम नहीं आएंगे तब तक हम यहां से नहीं उठेंगे। शाम करीब 5.30 बजे डीएम धरना स्थल पर पहुंचे। किसानों से ज्ञापन लिया और मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने धरना खत्म कर दिया।

6 घंटे बाद किसानों का धरना खत्म, डीएम ने ज्ञापन लिया करीब 6 घंटे बाद भाकियू टिकैत द्वारा मेरठ कमिश्नरी और कलेक्ट्रेट पर चल रहा धरना खत्म हुआ। डीएम ने किसानों से बात की। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर उन्हें एक ज्ञपन सौंपा। डीएम के आश्वासन के बाद धरना खत्म कर दिया गया। किसान नेताओं ने कहा कि अब 1 सितंबर को कमिश्नरी पर संगठन द्वारा महा पंचायत की जाएगी। जिसमें अफसरों से पूछा जाएगा कि किसानों की कितनी मांगों पर अमल हुआ।भाकियू जिला अध्यक्ष अनुराग चौधरी ने कहा कि अगर शाम पांच बजे तक जिला अधिकारी हमारे बीच आकर ज्ञापन नहीं लेते हैं तो डीएम आवास के बाहर प्रदर्शन किया जाएगा।

सड़क हादसा दो छात्रों मौत

तीसरे को सफदरजंग अस्पताल भेजा गया, डिवाइडर से टराई थी बाइक

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,नोएडा प्राधिकरण के ऑफिस के सामने सेक्टर 96 अंडरपास में दोपहर करीब पौने एक बजे के आसपास तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक पर सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने तीनों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया। जबकि दो को गंभीर हालत में सफदरजंग अस्पताल रेफर किया। एक युवक की और मौत हो गई। तीसरे का इलाज अब भी सफदरजंग असपताल किया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।एडमिशन का फार्म लेने गए थेएडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि सेक्टर 81 सलारपुर से दो बाइक से पांच छात्र सेक्टर 46 भवानी शंकर इंटर कॉलेज में एडमिशन के लिए दसवीं कक्षा का फॉर्म लेने गए थे। वापस आते समय एक बाइक पर तीन और दूसरे पर दो सवार होकर समय करीब 12:45 सेक्टर 45 सदरपुर की तरफ से सेक्टर 96 अंडरपास की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान तेजगती से एक बाइक डिवाइडर से जा टकराई।

ग्रैंड वेनेजिया प्रोजेक्ट पर ईडी का बड़ा एक्शन

700 करोड़ की 389 संपत्तियां कुर्क, नोएडा की 384 दुकानें और गोवा की 5 प्रॉपर्टी शामिल

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,प्रवर्तन निदेशालय के लखनऊ जोनल कार्यालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 389 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क (प्रोविजनली अटैच) किया है। इन संपत्तियों की खरीद कीमत 240.03 करोड़ रुपये जबकि वर्तमान बाजार मूल्य 700 करोड़ रुपये से अधिक बताया गया है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट , 2002 के तहत की गई हैईडी के अनुसार यह मामला भसीन इन्फोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड , ग्रैंड वेनेजिया कमर्शियल टावर्स प्राइवेट लिमिटेड (, सतिंदर सिंह भसीन और अन्य से जुड़ा है। ईडी ने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियों में गोवा की पांच अचल संपत्तियां शामिल हैं, जिनकी कीमत करीब 37 करोड़ रुपये है। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा के ग्रैंड वेनेजिया मॉल में स्थित 384 व्यावसायिक यूनिट/दुकानें, जिनकी कीमत लगभग 203 करोड़ रुपये है, भी कुर्क की गई हैं।

दिल्ली और यूपी में दर्ज है केस

जांच एजेंसी के मुताबिक जांच की शुरूआत उत्तर प्रदेश पुलिस और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर हुई। आरोप है कि सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा स्थित ग्रैंड वेनेजिया कमर्शियल कॉम्प्लेक्स परियोजना में निवेशकों को तय रिटर्न और समय पर कब्जा देने का झांसा देकर बड़ी रकम जुटाई गई, लेकिन बाद में न तो दुकानों का कब्जा दिया गया और न ही निवेशकों का पैसा लौटाया गयाईडी की जांच में सामने आया कि निवेशकों से प्राप्त धन को भसीन ग्रुप की अन्य कंपनियों के माध्यम से इधर-उधर स्थानांतरित कर गोवा में महंगी संपत्तियां खरीदी गईं।

एक्सीडेंट में ट्रक ड्राइवर की मौत

सरिया लेकर जा रहा था, अनियंत्रित होकर पोल से टकराकर नाले में गिरा

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर , ग्रेटर नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र में सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। सरिया से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पहले बिजली के पोल से टकराया और फिर सड़क किनारे नाले में जा गिरा। हादसे में ट्रक का केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे चालक उसमें फंस गया। हादसे की सूचना मिलते ही बादलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। चालक को बाहर निकालने के लिए करीब दो घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाया गया। गैस कटर और क्रेन की मदद से ट्रक के केबिन को काटकर चालक को बाहर निकाला गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया चालक की पहचान आमिर (28) पुत्र मकसूद, निवासी चांदपुर, बुलंदशहर के रूप में हुई है। गंभीर हालत में उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

नींद की झपकी हादसे की वजह होने की आशंका

पुलिस के अनुसार, ट्रक दादरी से गाजियाबाद की ओर जा रहा था। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि चालक को वाहन चलाते समय नींद की झपकी आने से ट्रक अनियंत्रित हो गया और यह हादसा हुआ। हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

विद्यालय में टूटकर गिरा हाईटेंशन लाइन का तार, बाल-बाल बचे अध्यापक व छात्र

अमन लेखनी समाचार

गरौठा (झांसी)। तहसील गरौठा की ग्राम पंचायत गुढ़ा स्थित प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब विद्यालय के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइन का तार अचानक टूटकर विद्यालय परिसर में गिर पड़ा। संयोगवश उस समय विद्यालय में प्रार्थना सभा चल रही थी और सभी अध्यापक व छात्र-छात्राएं बरामदे में मौजूद थे। यदि बच्चे आंगन में होते, तो बड़ा हादसा हो सकता था। विद्यालय के प्रधानाध्यापक जितेंद्र कोरी ने बताया कि लगभग चार वर्ष पूर्व भी इसी प्रकार हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर विद्यालय परिसर में गिरा था। उस समय रविवार का अवकाश होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई थी। प्रधानाध्यापक और ग्राम प्रधान चन्द्रभान सिंह परमार ने बताया कि विद्यालय के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को हटाने के लिए कई बार विभागीय अधिकारियों को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया गया, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। घटना के बाद विद्यालय के बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों में भय का माहौल है। सूचना मिलने पर विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और टूटे हुए तार को जोड़कर विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी। हालांकि, विद्यालय के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को हटाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते लाइन को दूसरी जगह स्थानांतरित नहीं किया गया, तो भविष्य में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने प्रशासन और विद्युत विभाग से विद्यालय परिसर की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए हाईटेंशन लाइन को तत्काल शिफ्ट कराने की मांग की है।

साइबर फ्रॉड की धनराशि 35,510/- शक्तिनगर साइबर टीम ने करायी वापस

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के दिशा-निर्देशन में थाना प्रभारी साइबर क्राइम पुलिस थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र के कुशल नेतृत्व में थाना शक्तिनगर साइबर टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए साइबर फ्रॉड की धनराशि कुल 35,510/- आवेदकों के खातों में वापस करायी गयी। थाना शक्तिनगर क्षेत्र के निवासी युगल किशोर तिवारी पुत्र कैलाश प्रसाद तिवारी एवं अंकिता तिवारी पुत्री हरिकान्त तिवारी निवासीगण बीना, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा साइबर फ्रॉड कर धनराशि ऑनलाइन ट्रांसफर करा ली गयी थी। प्रकरण में साइबर क्राइम पुलिस थाना शक्तिनगर की टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए संबंधित बैंकों से पत्राचार कर फ्रॉड की गयी धनराशि को होल्ड कराया गया तथा टफट पोर्टल के माध्यम से दोनों आवेदकों की कुल धनराशि 35,510/- उनके मूल बैंक खातों में सफलतापूर्वक वापस करायी गयी। धनराशि वापस मिलने पर आवेदकों द्वारा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अपर पुलिस अधीक्षक एवं साइबर क्राइम पुलिस थाना शक्तिनगर के अधिकारी/कर्मचारीगण की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

23वें दिन से ठप न्यायिक कार्यः आखिर किसके आदेश का इंतजार, प्रशासन कब तोड़ेगा चुप्पी.?

अमन लेखनी समाचार

बिलग्राम (हरदोई) तहसील बिलग्राम में उप-निबंधक (रजिस्ट्री) कार्यालय को पुरानी तहसील से नई तहसील भवन में स्थानांतरित करने की मांग अब केवल अधिवक्ताओं का आंदोलन नहीं, बल्कि प्रशासनिक निर्णय क्षमता की भी परीक्षा बन गई है। संयुक्त बार एसोसिएशन के बैनर तले एक जुलाई से शुरू हुआ आंदोलन 23वें दिन भी जारी है। अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई अंतिम निर्णय सामने नहीं आया है। संयुक्त बार एसोसिएशन बिलग्राम के संयोजक नीलमणि सिंह एडवोकेट, अध्यक्ष राम प्रसाद आर्य एडवोकेट और मंत्री प्रेम कुमार अग्निहोत्री एडवोकेट के नेतृत्व में अधिवक्ता प्रतिदिन तहसील परिसर में प्रदर्शन कर रहे हैं। ₹याचना नहीं अब रण होगा, संघर्ष महाभीषण होगा₹ और ₹भ्रष्टाचार बंद करो₹ जैसे नारों के बीच आंदोलन लगातार तेज हो रहा है। एसडीएम, अपर जिलाधिकारी और स्टाम्प एवं निबंधन विभाग के आईजी तक आंदोलनकारियों से वार्ता कर चुके हैं। क्षेत्रीय विधायक, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी और उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को भी ज्ञापन सौंपा जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। यदि नई तहसील भवन प्रशासनिक कार्यों के लिए उपयुक्त है, तो रजिस्ट्री कार्यालय के स्थानांतरण का आदेश अब तक क्यों नहीं हुआ.और यदि स्थानांतरण संभव नहीं है, तो प्रशासन अधिवक्ताओं के सामने इसका स्पष्ट कारण सार्वजनिक क्यों नहीं कर रहा.लगातार 23 दिनों तक न्यायिक कार्य प्रभावित रहने के बावजूद क्या जिला प्रशासन के पास इस गतिरोध को समाप्त करने की कोई समयबद्ध कार्ययोजना है.? पूरे मामले में प्रशासन के सामने तीन बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। जब वरिष्ठ अधिकारी कई दौर की वार्ता कर चुके हैं, तो निर्णय लेने में वास्तविक बाधा क्या है. क्या जिला प्रशासन यह बताएगा कि रजिस्ट्री कार्यालय नई तहसील में स्थानांतरित होगा या नहीं.? यदि नहीं, तो किस नियम या आदेश के आधार पर.? 23 दिनों से प्रभावित न्यायिक कार्य और आम जनता की असुविधा की जिम्मेदारी आखिर किस अधिकारी की तय होगी.? अब यह मामला केवल स्थानांतरण का नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही का बनता जा रहा है। जिला प्रशासन की चुप्पी जितनी लंबी होगी, उतने ही अधिक सवाल खड़े होंगे। ऐसे में सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि प्रशासन आश्वासनों से आगे बढ़कर कब कोई स्पष्ट और लिखित निर्णय सामने लाता है।

वाहन चोरी गिरोह का पदार्फाश, तीन शातिर चोर गिरफ्तार

गोरखपुर ।थाना शाहपुर पुलिस, एसओजी व एंटी थेफ्ट टीम की संयुक्त कार्रवाई में वाहन चोरी करने वाले एक सक्रिय गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की एक स्कॉर्पियो, घटना में प्रयुक्त एक मारुति स्विफ्ट कार तथा चोरी में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न टूल्स बरामद किए हैं। इस सफलता के संबंध में पुलिस लाइन स्थित व्हाइट हाउस सभागार में एसपी सिटी निमिष पाटील ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी। एसपी सिटी ने बताया कि अपराध नियंत्रण एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

खास समाचार

ए आई बी ई की परीक्षा उत्तीर्णोपरांत व्यक्तियों का अधिवक्ताओं ने राम नामी पटका पहनाकर किया स्वागत

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, हरदोई। तहसील परिसर में अधिवक्ता अनिल शुक्ला के चैंबर में बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अवधेश पाठक एडवोकेट पूर्व प्रधान व अनिल शुक्ला सहित उपस्थित कई अधिवक्ताओं ने ए आई बी ई की परीक्षा उत्तीर्ण कर आने वाले व्यक्तियों में शिव शंकर त्रिवेदी, शिवम गुप्ता, विपिन कुमार, अंकुर शर्मा, दिव्यांशु , नवाब खान राजा, अरुज फातिमा, अखिलेश शुक्ला, सुधीश कुमार व अमित कुमार मिश्रा सिंगलापुर को श्री राम नामी पटका पहनाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं करते हुए उन्हें बधाइयां दी। इसी क्रम में अधिवक्ता राजकुमार रावत का 68वाँ जन्म दिवस मनाते हुए अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष अवधेश पाठक व अनिल शुक्ला ने संयुक्तरूप से पटका पहनाकर और लड्डू खिलाकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर राजकुमार रावत के प्रियजन अधिवक्ताओं सवाहत उल्ला खां, सत्येंद्र यादव, विजय प्रताप अवस्थी ₹टल्लू₹ अनिल कुमार एडवोकेट/पूर्व प्रधान कैमी, रनवीर यादव, मनींद्र सिंह रंजन, फूल सिंह, आशीष शर्मा, नीरज राठौर, देवेंद्र कुमार, अनीस खां, सलीम खां, सुधीश कुमार, अमित मिश्रा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तगणों ने हर्षोल्लास के साथ राजकुमार रावत को मिठाई खिलाकर उन्हें जन्मदिवस की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दिन!

पिपरी पुलिस ने करीब 18,000 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब का किया विधिवत विनष्टीकरण

2426 पेटियों में रखी 37,218 छोटी-बड़ी शीशियों का निस्तारण। न्यायालय के आदेश एवं त्रिस्तरीय समिति की उपस्थिति में सम्पन्न हुई कार्रवाई।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के आदेशानुसार तथा अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल व अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के कुशल निर्देशन में थाना पिपरी पर माल मुकदमाती के त्वरित एवं विधिसम्मत निस्तारण हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में ऑपरेशन दहन के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई की गई। माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सोनभद्र के आदेश दिनांक 25.06.2026 के अनुपालन में जिलाधिकारी सोनभद्र द्वारा गठित त्रिस्तरीय समिति, जिसमें उपजिलाधिकारी दुद्धी, क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय, अभियोजन अधिकारी एवं थानाध्यक्ष पिपरी राजेश जी चौबे की उपस्थिति में थाना पिपरी परिसर में जब्त अवैध अंग्रेजी शराब का विधिवत विनष्टीकरण कराया गया

अनुचर को न्याय दिलाने के लिये ढोल मजीरा लेकर डीएम कार्यालय पहुंच गये ठाकुर प्रेमनन्दवंशी

15 दिनों के भीतर मिला न्याय दिलाने का आश्वासन

अमन लेखनी समाचार

बस्ती। बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष मांगों के समर्थन में ढोल मजीरा बजाकर अनोखा प्रदर्शन देखने को मिला। आवाज सुनकर अधिकारी, सुरक्षाकर्मी चौक गये। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के मंडल महासचिव एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने जिलाधिकारी से मांग किया कि कृषि विद्यालय, भारत नगर, तेंनुआ, हरैया में अनुचर पद पर कार्यरत मनोज कुमार वर्मा के कथित उत्पीड़न, लंबित वेतन एवं ग्रेच्युटी के भुगतान, सेवा बहाली तथा दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाय। डीएम के निर्देश पर न्यायिक मजिस्टेज्ट शत्रुघ्न पाठक ने ठाकुर प्रेम नंदवंशी से कहा कि 15 दिन के भीतर समस्या का निस्तारण करा दिया जायेगा।

प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर बस्ती की पाँचों विधानसभाओं में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन संपन्न

अमन लेखनी समाचार

बस्ती । प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार 22 जुलाई 2026 को उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभाओं में एक साथ विशाल बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित किए गए। भारतीय जनता पार्टी, बस्ती द्वारा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के नेतृत्व में जिले की पाँचों विधानसभाओं में भी बूथ अध्यक्ष सम्मेलनों का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में कार्यकताओं और बूथ अध्यक्षों की उपस्थिति तथा उत्साह देखने को मिला। बस्ती सदर विधानसभा में अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम । मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष श्री रमेश सिंह संयोजक पूर्व विधायक दयाराम चौधरी। हरैया विधानसभा में मखौड़ा धाम मंदिर परिसर। मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष, भाजपा गोरखपुर श्री युधिष्ठिर सिंह, संयोजक विधायक श्री अजय सिंह। कप्तानगंज विधानसभा में सावित्री मिलन मैरिज हॉल, कप्तानगंज। मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष, भाजपा सिद्धार्थनगर बृजबिहारी मिश्र, संयोजक पूर्व विधायक चन्द्र प्रकाश शुक्ल, रुधौली विधानसभा में सिंह मैरिज हॉल, बसडीहा मानिकचन्द परिसर। मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष, भाजपा सिद्धार्थनगर नरेंद्रमणि त्रिपाठी, संयोजक पूर्व विधायक श्री संजय प्रताप जायसवाल। महादेवा विधानसभा में शानू मैरिज हॉलनगर बजार , मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री श्रीमती रजनी पांडेय , संयोजक पूर्व विधायक रवि सोनकर। वक्ताओं ने संगठन की मजबूती, बूथ स्तर की सक्रियता और आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों की सफलता में बूथ अध्यक्षों की भूमिका को सर्वोपरि बताया। उन्होंने कार्यकताओं से निगरानी, बूथ-आधारित योजनाओं तथा संगठनिक सुदृढ़ीकरण में सक्रिय भागीदारी की अपील की, कार्यक्रम में बूथ अध्यक्षों ने पहले उपस्थित होकर डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण प्रोग्राम में भाग लिया और अपना प्रमाणपत्र अपडेट किये। इससे बूथ स्तर पर डिजिटल प्रशिक्षण के सफल कार्यान्वयन और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को बल मिला। पार्टी के पदाधिकारी भानुप्रकाश मिश्रा, अखण्ड प्रताप सिंह, वीरेंद्र गौतम,

हल्का सिपाहियों की कथित शह पर चल रहा कच्ची शराब का कारोबार

शिकायतों के बाद कार्रवाई केवल खानापूर्ति तक सीमित

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, हरदोई। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत उमरौली में अवैध कच्ची शराब के कारोबार को लेकर ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लंबे समय से अवैध कच्ची शराब का कारोबार और बिक्री खुलेआम हो रही है, लेकिन शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही। उनका आरोप है कि कुछ हल्का सिपाहियों के कथित संरक्षण के चलते शराब कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं, और पुलिस की कार्रवाई केवल औपचारिकता तक सीमित रह रही है। गांव निवासी दीनदयाल पुत्र रामफूल ने बताया कि 22 जुलाई 2026 को समाचार प्रकाशित होने के बाद पुलिस गांव तो पहुंची, लेकिन कार्रवाई निष्पक्ष और व्यापक होने के बजाय केवल खानापूर्ति तक सीमित रही। उनका कहना है कि पुलिस केवल हमारे घर पर दबिश देकर औपचारिकता निभाती है, जबकि हम स्वयं कई महीनों से पंजाब में मजदूरी कर रहे हैं। इसके बावजूद छोटे-छोटे बच्चों और परिवार सदस्यों के लोगों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि गांव में खुलेआम अवैध कच्ची शराब का कारोबार करने वाले अन्य लोगों के यहां कार्रवाई क्यों नहीं की जाती। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतें और समाचार प्रकाशित होने के बाद कुछ पुलिसकर्मी नाराज होकर मनमाने ढंग से कार्रवाई करते हैं, जिससे वास्तविक शराब कारोबारियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। उनका कहना है कि छापेमारी की सूचना पहले ही लीक हो जाती है, जिससे कथित शराब कारोबारी मौके से फरार हो जाते हैं और पुलिस केवल औपचारिक कार्रवाई कर लौट जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निष्पक्ष, गोपनीय और अचानक अभियान चलाया जाए तो बड़ी मात्रा में अवैध कच्ची शराब, लहन तथा शराब बनाने में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए जा सकते हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय रहते इस अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में जहरीली शराब जैसी गंभीर घटनाएं हो सकती हैं, जिससे जनहानि की आशंका बनी रहेगी। क्षेत्रीय नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक हरदोई तथा आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

श्रावण मास कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण में सम्पन्न कराने हेतु पीस कमेटी की हुई बैठक

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। आज दिनांक 22.07.2026 को जनपद में श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा की अध्यक्षता में पीस कमेटी एवं धर्मगुरुओं के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के विभिन्न धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने सहभागिता की। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा का आयोजन आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की नई परंपरा प्रारम्भ न होने दी जाए तथा सभी उप जिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का सतत निरीक्षण करें। उन्होंने कांवड़ मार्गों पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाओं एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित कराने हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा मार्गों पर सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की अफवाह, भड़काऊ संदेश अथवा सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक सूचनाओं पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने सभी से अपील की कि धार्मिक आस्था एवं परम्पराओं का सम्मान करते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने अथवा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बगीश कुमार शुक्ला अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी, धर्मगुरु, जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित सभी धर्मगुरुओं एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि जनपद में श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा पूर्व की भांति आपसी सौहार्द, भाईचारे एवं शांति के वातावरण में सम्पन्न कराई जाएगी तथा सभी नागरिक कानून- व्यवस्था बनाए रखने में पूर्ण सहयोग करेंगे।

प्रभारी मंत्री डॉ. हंसराज विश्वकर्मा ने कनहर सिंचाई परियोजना का किया निरीक्षण

कनहर सिंचाई परियोजना का कार्य अति शीघ्र करे पूर्ण- प्रभारी मंत्री जी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दूद्धी का प्रभारी मंत्री जी ने निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के दिए निर्देश।

प्रभारी मंत्री जी पी0डब्लू0डी0 गेस्ट हाउस में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किये बैठक, दिये आवश्यक दिशा निर्देश।

प्रभारी मंत्री जी ने गॉव चौपाल संवाद कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को किये निर्देशित।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। प्रभारी मंत्री एवं उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हंसराज विश्वकर्मा जी ने आज अमवार पहुंचकर निमार्णाधीन कनहर सिंचाई परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया तथा परियोजना की प्रगति का जायजा लिया। इसके उपरांत उन्होंने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर परियोजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कनहर सिंचाई परियोजना का कार्य अति शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जाए प्रभारी मंत्री ने परियोजना से प्रभावित विस्थापित परिवारों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा अनुमन्य सुविधायें प्रत्येक लाभार्थी तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाई जाएं। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, दूद्धी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने, मरीजों को शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सभी उपचार एवं स्वास्थ्य सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराने तथा जर्जर भवनों की आवश्यक मरम्मत शीघ्र कराने के निर्देश सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक को दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रभारी मंत्री जी पी0डब्लू0डी0 गेस्ट हाउस में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किये बैठक, बैठक के दौरान कानून व्यवस्था जन सुरक्षा विकास कार्यों की प्रगति सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा किये और आम जन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण करने के निर्देश दियें उन्होने कहा कि शासन की मंशाके अनुरूप जन सामान्य के शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इस दौरान प्रभारी मंत्री जी ने गॉव चौपाल संवाद कार्यक्रम में दुद्धी तसिहल के अन्तर्गत ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किये। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार श्रवण कुमार गौड़, अपना दल एस0 के अंजनी पटेल, उप जिलाधिकारी दुद्धी रवि पासवान सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

हरदोई की बेटी साक्षी सिंह ने रचा इतिहास, एलएलबी में रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में किया टॉप

दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक से सम्मानित, गांव से लेकर जिले तक खुशी की लहर

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जनपद के ग्राम बेहटा सधई की बेटी साक्षी सिंह ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर जिले का नाम रोशन कर दिया है। साक्षी सिंह ने रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, लखनऊ से विधि (एलएलबी) की पढ़ाई में पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर शानदार उपलब्धि हासिल की है। इस सफलता पर परिवार, गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है तथा लोगों ने उन्हें बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में भव्य रूप से किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं गणमान्य अतिथियों ने साक्षी सिंह को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए स्वर्ण पदक पहनाकर सम्मानित किया। मंच पर सम्मान प्राप्त करते समय उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। साक्षी सिंह, जनपद हरदोई के ग्राम बेहटा सधई निवासी अनुराग प्रताप सिंह की पुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार में उत्सव जैसा माहौल है। रिश्तेदारों, मित्रों और शुभचिंतकों का घर पर बधाई देने के लिए तांता लगा रहा। गांव के लोगों ने भी मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया और इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताया। साक्षी सिंह की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि लगन, अनुशासन और निरंतर मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उनकी इस उपलब्धि से जिले के अन्य छात्र-छात्राओं को भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। हरदोई की इस होनहार बेटी ने विश्वविद्यालय में शीर्ष स्थान हासिल कर न केवल अपने माता-पिता बल्कि पूरे जनपद का नाम गौरवान्वित किया है।

जनसुनवाई में लापरवाही पर जिलाधिकारी का बड़ा एक्शन, 11 अधिकारियों का वेतन अवरुद्ध

विडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गयी निगरानी में अनुपस्थित अधिकारियों का दो दिन में मांगा स्पष्टीकरण, जवाबदेही तय करने के दिए निर्देश।

सुबह 10 से 12 बजे तक जनसुनवाई में अनिवार्य रूप से रहें उपस्थित, लापरवाही क्षम्य नहीं होगी- जिलाधिकारी चर्चित गौड़

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनसामान्य की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक आयोजित जनसुनवाई के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला, तहसील एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान 11 जिला स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से अनुपस्थित पाए गए, जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक- श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक - रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

हेल्थ टिप्स

आंत के बैक्टीरिया से मस्तिष्क का है सीधा संबंध, जानिए सब कुछ

हमारा मस्तिष्क और हमारा पेट दोनों ही शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक हैं। बहुत कम लोगों को मालूम है कि हमारा मस्तिष्क का हमारे पेट से बहुत गहरा संबंध है। आंत के बैक्टीरिया हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित करते हैं।

हमारा शरीर एक जटिल तंत्र है, जहां हर अंग एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। इनमें मस्तिष्क और पेट का संबंध सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एक है। हालांकि ज्यादातर लोग सोचते हैं कि पेट का काम सिर्फ खाना पचाना है, पर बहुत कम लोगों को यह मालूम है कि हमारे मस्तिष्क का हमारे पेट से बहुत गहरा और सीधा संबंध है।

हमारा पेट सिर्फ भोजन पचाने का काम नहीं करता, बल्कि यह अरबों सूक्ष्मजीवों (माइक्रोब्स) का घर भी है, जिन्हें सामूहिक रूप से आंत माइक्रोबायोम कहते हैं। ये बैक्टीरिया हमारे शरीर का एक जरूरी हिस्सा हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि ये आंत के बैक्टीरिया हमारे मस्तिष्क के साथ लगातार संवाद करते हैं। यह संवाद सिर्फ हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि हमारे मानसिक स्वास्थ्य, हमारी भावनाओं, मूड और यहां तक कि सोचने-समझने की क्षमता को भी प्रभावित करता है। यह संबंध जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं अधिक गहरा और प्रभावशाली है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं, साथ ही ये भी जानेंगे कि हमारे आंत के बैक्टीरिया हमारे मस्तिष्क को कैसे कंट्रोल करते हैं।

आंत और मस्तिष्क में संवाद के तरीके

आंत और मस्तिष्क के बीच का संवाद कई तरीकों से हो सकता है। सबसे पहला वेगस तंत्रिका एक सीधा रास्ता है, जो पेट से दिमाग और दिमाग से पेट तक संदेश ले जाती है, जिससे दोनों

आपस में जुड़े रहते हैं। इसके अलावा, आंत के बैक्टीरिया कई रासायनिक संदेशवाहक (न्यूरोट्रांसमीटर) बनाते हैं, जैसे सेरोटोनिन, जिसका 90% हिस्सा पेट में ही बनता है।

ये रसायन हमारे मूड, नींद और भूख पर असर डालते हैं। साथ ही, आंत का स्वास्थ्य सीधे हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को भी प्रभावित करता है, आंत में असंतुलन होने पर सूजन बढ़ती है, जो दिमाग और मानसिक सेहत पर बुरा असर डाल सकती है।

आंत के बैक्टीरिया मानसिक स्वास्थ्य और मूड को कैसे प्रभावित करते हैं?

आंत माइक्रोबायोम का असंतुलन, जिसे डिसबायोसिस कहते हैं, चिंता और डिप्रेशन के बढ़ते जोखिम या गंभीरता से जुड़ा हुआ है। एक अस्वस्थ आंत से शरीर में सूजन बढ़ सकती है और न्यूरोट्रांसमीटर का उत्पादन बाधित हो सकता है, जिससे मूड पर नकारात्मक असर पड़ता है। आंत के बैक्टीरिया शरीर की तनाव प्रतिक्रिया को भी प्रभावित करते हैं। एक स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम आपको तनाव के प्रति अधिक लचीला बना सकता है। इसके अलावा, आंत का संतुलन याददाश्त, सीखने की क्षमता और समग्र संज्ञानात्मक कार्य को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकता है। नींद के पैटर्न भी आंत के स्वास्थ्य से जुड़े होते हैं। हमारे आंत के बैक्टीरिया का संतुलन कई चीजों से प्रभावित होता है। खराब डाइट जिसमें प्रोसेस्ड फूड, ज्यादा चीनी और कम फाइबर हो, अच्छे बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचाती है। एंटीबायोटिक्स भी अच्छे-बुरे दोनों बैक्टीरिया को खत्म कर देती हैं। इसके अलावा, लगातार तनाव और नींद की कमी भी आंत के

माइक्रोबायोम को नकारात्मक रूप से बदल सकती है। वहीं, आंत के बैक्टीरिया के लिए संतुलित आहार (फाइबर, फल, सब्जियां), प्रोबायोटिक्स (दही) वाले फूड्स बहुत फायदेमंद होते हैं। नियमित व्यायाम और तनाव प्रबंधन भी आंत में बैक्टीरिया की विविधता और स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं।

स्वस्थ आंत के लिए अपनाएं ये आदतें

अपने दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए, अपनी आंत का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए अपनी डाइट में फर्मेंटेड फूड्स जैसे दही, छाछ, किमची, और सॉवरक्रॉट को शामिल करें। फाइबर से भरपूर फल, सब्जियां, दालें और साबुत अनाज का सेवन बढ़ाएं। प्रोसेस्ड फूड्स और चीनी का सेवन सीमित करें। नियमित रूप से व्यायाम करें, पर्याप्त नींद लें और तनाव कम करने के लिए योग या ध्यान जैसी तकनीकों को अपनाएं।

बच्चों में एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति बढ़ता प्रतिरोध बना दुनिया के लिए चुनौती

बच्चों को बार-बार दे रहे हैं एंटीबायोटिक दवाएं तो जानलेवा समस्याएं बन जाएंगी बिन बुलाई मेहमान

दुनियाभर में बच्चों में एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति बढ़ता प्रतिरोध वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए नई चुनौती बन रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि एंटीबायोटिक दवाओं के अनियंत्रित और गलत इस्तेमाल पर रोक नहीं लगी तो आने वाले वर्षों में सामान्य संक्रमणों का इलाज भी बेहद कठिन हो सकता है। कई अध्ययन इस बात को लेकर लगातार अलर्ट करते रहे हैं कि कभी भी खुद से या बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी दवा नहीं लेनी चाहिए। जिस तरह से दुनियाभर में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस की समस्या बढ़ती देखी जा रही है, ऐसे में ये सावधानी और भी जरूरी हो जाती है।

एक समय था जब एंटीबायोटिक दवाओं को चिकित्सा जगत का सबसे बड़ा हथियार माना जाता था, लेकिन आज वही चमत्कारी दवा दुनिया के सामने एक नई चुनौती बनकर खड़ी है। बार-बार एंटीबायोटिक दवाओं के इस्तेमाल के कारण एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस का खतरा बढ़ गया है। इससे बैक्टीरिया इतने मजबूत हो चुके हैं कि पहले जिन दवाओं से वे आसानी से खत्म हो जाते थे, अब उन पर उनका असर कम या बिल्कुल नहीं होता। हालिया रिपोर्ट में स्वास्थ्य विशेषज्ञ बच्चों में बढ़ रहे एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस की

समस्या को लेकर अलर्ट कर रहे हैं।

बच्चों में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस का अलर्ट

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लंबे समय से एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस को वैश्विक स्वास्थ्य संकट बता रहा है। बच्चों में बार-बार संक्रमण होना, हर बुखार में बिना जांच के एंटीबायोटिक शुरू कर देना, डॉक्टर की सलाह के बिना दवा खरीद लेना या दवा का पूरा कोर्स पूरा न करना, ये सभी आदतें बैक्टीरिया को और अधिक ताकतवर बना रही हैं। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि दुनियाभर में बच्चों में एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति बढ़ता प्रतिरोध

वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए नई चुनौती बन रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि एंटीबायोटिक दवाओं के अनियंत्रित और गलत इस्तेमाल पर रोक नहीं लगी तो आने वाले वर्षों में सामान्य संक्रमणों का इलाज भी बेहद कठिन हो सकता है। इसका सबसे अधिक असर बच्चों पर पड़ने की आशंका है, क्योंकि उनके लिए प्रभावी और सुरक्षित दवाओं के विकल्प पहले से ही सीमित हैं।

अध्ययन में क्या पता चला?

अमेरिकी जर्नल जामा पीडियाट्रिक्स में प्रकाशित एक नए अध्ययन में बताया गया है कि बच्चों में संक्रमण फैलाने वाले दो प्रमुख बैक्टीरिया- ग्राम नेगेटिव बैक्टीरिया एसिनेटोबैक्टर बाउमानी और क्लेबसिएला तेजी से एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोध विकसित कर रहे हैं।

शोध के अनुसार एसिनेटोबैक्टर बाउमानी सबसे अधिक दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया के रूप में सामने आया है। यह बैक्टीरिया अस्पतालों में भर्ती मरीजों में रक्त संक्रमण, निमोनिया और अन्य गंभीर संक्रमणों का कारण बनता है।

दूसरी ओर क्लेबसिएला बैक्टीरिया मूत्र मार्ग

संक्रमण, लिवर एब्सेस और कई अन्य गंभीर बीमारियों से जुड़ा है। विशेषज्ञों के मुताबिक दक्षिण-पूर्व एशिया, पूर्वी यूरोप और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में क्लेबसिएला में एंटीबायोटिक प्रतिरोध की रफ्तार सबसे तेज देखी जा रही है।

क्यों बढ़ता जा रहा है खतरा?

अध्ययन में रॉयल चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न और ब्राउन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो गंभीर संक्रमणों के उपचार के लिए उपलब्ध प्रभावी दवाएं लगातार कम होती जाएंगी। विशेषज्ञों के अनुसार बच्चों में बढ़ते एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस का सबसे बड़ा कारण एंटीबायोटिक का अनावश्यक और गलत इस्तेमाल है। कई बार वायरल संक्रमण जैसे सर्दी, जुकाम या फ्लूमें भी एंटीबायोटिक शुरू कर दी जाती है, जबकि इन बीमारियों पर इनका कोई असर नहीं होता।

शादी से पहले जरूर कराने चाहिए ये मेडिकल टेस्ट, मजबूत रहेगा रिश्ता

एक स्वस्थ और खुशहाल दाम्पत्य जीवन के लिए भावी दूल्हा-दुल्हन के बीच स्वास्थ्य पारदर्शिता और जागरूकता बेहद जरूरी है। कई बार कुछ छिपी हुई स्वास्थ्य समस्याएं भविष्य में रिश्ते में तनाव या गंभीर चुनौतियों का कारण बन सकती हैं। ऐसे में शादी से पहले कुछ जरूरी मेडिकल टेस्ट कराना एक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

शादी दो लोगों और परिवारों को जोड़ने वाला एक पवित्र बंधन है, जिसकी नींव सिर्फ भावनात्मक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की सुरक्षा पर भी टिकी होती है। एक स्वस्थ और खुशहाल दाम्पत्य जीवन के लिए स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बेहद जरूरी है। इसी बीच ये भी खबर आ रही है कि मेघालय में शादी से पहले एचआईवी की जांच कराना अनिवार्य हो सकता है। बता दें कि ऐसा नियम गोवा में पहले से ही लागू है।

ऐसे में बहुत से लोगों के मन में यह सवाल है कि आखिर शादी से पहले दूल्हा-दुल्हन को किन-किन मेडिकल जांचों को करा लेना चाहिए। ये टेस्ट न केवल संभावित स्वास्थ्य समस्याओं को समय रहते उजागर करते हैं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर तैयारी करने में भी मदद करते हैं। आइए ऐसे चार महत्वपूर्ण मेडिकल टेस्ट्स के बारे में जानते हैं, जो हर दूल्हा-दुल्हन को शादी से पहले जरूर कराने चाहिए।

एचआईवी टेस्ट

एचआईवी (ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस) टेस्ट शादी से पहले कराए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट्स में से एक है। यह टेस्ट यह सुनिश्चित करता है कि दोनों भागीदारों में से कोई भी इस वायरस से संक्रमित तो नहीं है।

क्यों जरूरी

एचआईवी एक यौन संचारित रोग है। यदि एक पार्टनर संक्रमित है, तो शादी के बाद संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। समय रहते इसका पता चलने पर न केवल संक्रमण को दूसरे पार्टनर तक फैलने से रोका जा सकता है, बल्कि यदि वे भविष्य में बच्चे पैदा करने की योजना बना रहे हैं, तो मां से बच्चे में संक्रमण के जोखिम को भी कम किया जा सकता है। प्रारंभिक पहचान से संक्रमित व्यक्ति को तुरंत एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी शुरू करने में मदद मिलती है, जिससे वे एक सामान्य और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

इनफर्टिलिटी टेस्ट

इनफर्टिलिटी टेस्ट शादी से पहले भावी जोड़ों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है, खासकर यदि वे भविष्य में बच्चे पैदा करने की योजना बना रहे हैं। यह टेस्ट दोनों भागीदारों की प्रजनन क्षमता का आकलन करता है।

क्यों जरूरी-

इस टेस्ट से पुरुष में शुक्राणु की गुणवत्ता और संख्या या महिला में ओवुलेशन और प्रजनन अंगों से संबंधित संभावित समस्याओं का पता चल सकता है। यदि कोई समस्या पाई जाती है, तो दंपति को पहले से ही इस बारे में पता होगा और वे भावनात्मक, मानसिक और आर्थिक रूप से भविष्य के लिए तैयार हो सकते हैं। यह अनावश्यक तनाव और निराशा से बचने में मदद करता है जो बाद में संतान प्राप्ति में कठिनाई होने पर उत्पन्न हो सकती है। यह टेस्ट उन्हें प्रजनन विशेषज्ञों से परामर्श लेने और सही समय पर उपचार विकल्प तलाशने में सक्षम बनाता है।

निशानेबाजी में छत्तीसगढ़ की महिलाओं का शानदार प्रदर्शन, प्रोफेसर राजश्री ने जीता गोल्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश राइफल एसोसिएशन की ओर से 25 वीं छत्तीसगढ़ राज्य निशानेबाजी प्रतियोगिता का आयोजन माना शूटिंग रेंज में 11 से 21 जुलाई को किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि डायरेक्टर जनरल पुलिस अरुण देव गौतम ने विजेताओं को पुरसस्कृत किया। 10 मीटर एवं 25 मीटर एयर पिस्टल, व्यक्तिगत स्पर्धा में डॉ कमलप्रीत सिंह (आई ए एस), डॉ राजश्री गाईन (प्रोफेसर वेजिटेबल साइंस) ने महिला और पुरुष वर्ग की मास्टर्स कैटेगरी में गोल्ड जीता। वहीं 10 मीटर एयर पिस्टल में आर्या जायसवाल और वसुधा ने गोल्ड जीतकर अपनी जगह बनाई। 25 मीटर जूनियर कैटेगरी में आराध्या गुप्ता ने सोना जीता। 50 मीटर एयर पिस्टल में डॉ कमलप्रीत सिंह एवं जूनियर कैटेगरी में आरुष अखिलेश जॉय ने गोल्ड जीता। विमेन कैटेगरी में शक्ति चंद्रा ने सोना जीता। 10 मीटर एयर पिस्टल में जूनियर /यूथ कैटेगरी में सान्वी श्रीवास अवस्थी ने गोल्ड अपने नाम किया। 10 मीटर एयर राइफल में शिवा गुप्ता एवं सान्वी मारू ने गोल्ड जीता। वहीं 50 मीटर एयर राइफल में अदीब सिद्दीकी, सूरज पांडेय, ओम गुप्ता ने विभिन्न कैटेगरी में गोल्ड जीता तथा शिफा ख्वाजा एवं लेकिशा व्यास ने विमेन कैटेगरी में गोल्ड जीत कर अपनी जगह बनाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश राइफल एसोसिएशन के सचिव दुर्गेश ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु एवं पदक विजेताओं को शुभकामनाएं प्रेषित की।

बारिश के मौसम में फ्रिज में होने लगी है नमी, तो तुंरत करें ये उपाय

क्या आपने नोटिस किया है कि इन दिन फ्रिज में नमी हो जाती है? यह कई

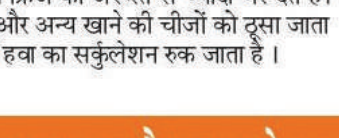

कारणों से हो सकता है। चलिए इस लेख में हम आपको बताने वाले हैं वो गलतियां जो हम अक्सर करते हैं और फिर फ्रिज नम रहता है। अगर फ्रिज में नमी दिखे, तो ये काम करें। मानसून में नमी और घर में सीलन की समस्या हर किसी को परेशान करती है। ये नमी न सिर्फ कपड़ों और दीवारों में, बल्कि हमारी किचन और खासतौर पर फ्रिज में भी असर दिखाने लगती है। कई बार देखा गया है कि बारिश के दिनों में फ्रिज खोलते ही उसमें से अजीब-सी गंध आती है, दरवाजों के किनारों पर पानी जमा हो जाता है और सब्जियों में भी नमी की वजह से फफूंद लग जाती है। इसका कारण मौसम में बढ़ी ह्यूमिडिटी और फ्रिज की सही देखभाल न करना है।

फ्रिज को बार-बार खोलने से बचें

यह तो हम सभी को पता है कि मानसून में वातावरण में नमी ज्यादा होती है। ऐसे में जब आप बार-बार फ्रिज खोलती हैं, तो बाहर की नमी फ्रिज के अंदर बैठने लगती है। इससे अंदर कंडेनसेशन होने लगता है और फ्रिज की दीवारों पर पानी की बूंदें जम जाती हैं। इससे जो भी चीजें आपने फ्रिज में रखी होती हैं, वे जल्दी खराब हो सकती हैं। कोशिश करें कि फ्रिज को बार-बार न खोलें और जो चाहिए वो एक बार में निकाल लें।

फ्रिज को जरूरत से ज्यादा न भरें

कई बार हम फ्रिज को जरूरत से ज्यादा भर देते हैं। सब्जियां, फल और अन्य खाने की चीजों को ठूसा जाता है। ऐसे में उसमें हवा का सर्कुलेशन रुक जाता है ।

कार्नर न्यूज

जानें स्क्रीन एडिक्टेड होने के लक्षण और इससे बचाव के उपाय

आज सबसे बड़ी चुनौती बन रहा स्क्रीन एडिक्टेड लोगों की बढ़ती तादाद, इससे बचना भी आसान

स्क्रीन एडिक्शन एक बेहद आम समस्या जिससे बहुत से लोग परेशान हैं। ये आदत दिखने में एक सामान्य आदत लग सकता है, लेकिन यह धीरे-धीरे हमारे जीवन में कई चीजों को प्रभावित करता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में सब कुछ जानते हैं।

आज के दौर में स्मार्टफोन, टैबलेट, कंप्यूटर और टेलीविजन जैसे गैजेट्स हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन चुके हैं। काम से लेकर मनोरंजन तक, हर क्षेत्र में इनकी भूमिका बढ़ती जा रही है, खासकर कोरोना महामारी के बाद 'वर्क फ्रॉम होम' और 'ऑनलाइन लर्निंग' ने स्क्रीन पर बिताए जाने वाले समय को और बढ़ा दिया है। हालांकि, इन गैजेट्स के कई फायदे हैं, लेकिन इनका अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग धीरे-धीरे एक नई समस्या को जन्म दे रहा है जिसे 'स्क्रीन एडिक्शन' कहते हैं।

यह डिजिटल उपकरणों के उपयोग की एक लत है, जिसमें व्यक्ति नकारात्मक परिणामों के बावजूद स्क्रीन से दूर नहीं रह पाता। यह लत बच्चों, किशोरों और वयस्कों सहित हर आयु वर्ग को प्रभावित कर रही है। ध्यान देने वाली बात यह है कि बहुत से लोगों

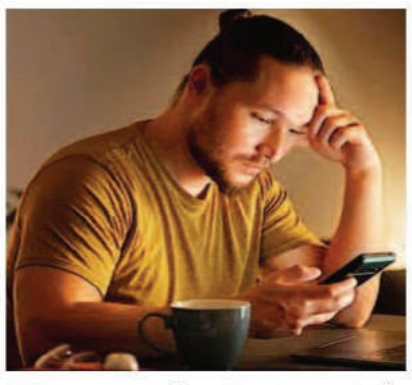

को ये मालूम भी नहीं है कि वो स्क्रीन एडिक्टेड हैं। इसलिए आइए इस लेख में जानते हैं कि स्क्रीन एडिक्शन के लक्षण क्या हैं और इससे बचाव के लिए क्या उपाय अपनाए जा सकते हैं।

स्क्रीन एडिक्शन के लक्षणों को पहचानना पहला कदम है। ये लक्षण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से दिख सकते हैं। सबसे पहला व्यक्ति स्क्रीन पर बिताए जाने वाले समय को कंट्रोल नहीं कर पाता और जब स्क्रीन उपलब्ध न हो तो बेचैनी या चिड़चिड़ापन महसूस करता है। दूसरा काम, पढ़ाई या घर के कामों की जगह स्क्रीन टाइम को प्राथमिकता देना शुरू कर देता है। तीसरा व्यक्ति असली दुनिया के बजाय डिजिटल बातचीत को पसंद करता है, जिससे परिवार और दोस्तों से दूरी बढ़ने लगती है। चौथा लगातार आंखों में खिंचाव, सिरदर्द, गर्दन या पीठ में दर्द और नींद में खलल (अनिद्रा) जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पांचवा स्क्रीन का इस्तेमाल न कर पाने पर चिंता, उदासी या खालीपन महसूस होना।

स्क्रीन एडिक्शन से होने वाले नुकसान

स्क्रीन एडिक्शन सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि यह कई गंभीर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है- लगातार एक ही जगह बैठे रहने से मोटापा बढ़ता है, और खराब पोस्चर से गर्दन व पीठ दर्द की समस्या होती है। आंखों की रोशनी प्रभावित होती है और 'कार्पल टनल सिंड्रोम' जैसी समस्याएँ भी हो सकती हैं।

चिंता, अवसाद और आत्म-सम्मान में कमी (सोशल मीडिया पर तुलना के कारण) का जोखिम बढ़ जाता है। एकाग्रता की कमी और ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो सकती है। वास्तविक जीवन के रिश्ते कमजोर पड़ते हैं, संचार कौशल बिगड़ता है, और व्यक्ति अकेलापन महसूस कर सकता है। काम या पढ़ाई में प्रदर्शन में गिरावट आती है। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी नींद हार्मोन मेलाटोनिन के उत्पादन में बाधा डालती है, जिससे नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

बचाव के उपाय

स्क्रीन एडिक्शन से बचने और स्वस्थ डिजिटल आदतें अपनाने के लिए कुछ प्रभावी उपाय हैं- समय सीमा निर्धारित करें स्क्रीन उपयोग के लिए विशिष्ट समय सीमा तय करें। भोजन के दौरान, सोने से पहले या परिवार के साथ समय बिताते समय गैजेट्स से दूर रहें। ऐप्स की मदद से भी उपयोग पर नज़र रख सकते हैं।

विकल्प तलाशें

अपनी रुचि के अनुसार अन्य गतिविधियों में शामिल हों जैसे किताबें पढ़ना, खेलकूद, कला, या प्रकृति में समय बिताना।